फाल्गुन माह , कृष्ण पक्ष 21 वर्ष, अंक 47 पृष्ठ 8 मूल्य 3.00

अखंड भारत संदेश

www.akhandbharatsandesh.net

प्रयागराज से प्रकाशित

नगर संस्करण प्रयागराज शुक्रवार 11 मार्च 2022 विश्व निर्माण एवं मानव विकास को दुतगति प्रदान करने हेतु क्रियायोग आश्रम एवं अनुसंधान आश्रम की अनुपम भेंट

शुरू करो तैयारी, फिर आए भगवाधारी

पंजाब में आप और चार राज्यों में भाजपा को बहुमत

लखनऊः यूपी में बड़ी जीत के बाद योगी आदित्यनाथ शाम को लखनऊ में भाजपा मुख्यालय पहुंचे। यहां हजारों समर्थकों की भीड़ ने उनका स्वागत किया। योगी ने भी समर्थकों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। उन्होंने मंच से समर्थकों पर अबीर-गुलाब उड़ाए और होली खेली। मिठाई भी खिलाई। योगी के साथ केशव मौर्य, सतीश महाना, स्वतंत्र देव सिंह, सुनील बंसल, बृजेश पाठक समेत तमाम बड़े नेता मंच पर थे। सभी के चेहरे गुलाल के रंग में रंगे नजर आए। इस दौरान सभी 'जो राम को लाए हैं....' गाने पर थिरकने लगे। योगी भी थिरकते नजर आए। यह जीत योगी के लिए खास है। उन्होंने पहली बार विधायकी चुनाव लड़ा था। गोरखपुर सदर से उन्होंने एक लाख से ज्यादा वोटों से जीत की। वहीं, योगी के चेहरे पर भी भाजपा ने यूपी में चुनाव लड़ा था। ऐसे में बड़ी जीत का श्रेय भी उनको दिया जा रहा है।

केशव ने खिलाई मिठाई, स्वतंत्र देव ने योगी की तारीफ की: भाजपा मुख्यालय में बने मंच पर केशव मौर्य ने योगी को शॉल ओढ़ाकर सम्मानित कया। इसके बाद संजय निषाद ने उनको मिठाई खिलाई। इस दौरान योगी ने खुल समर्थकों को गुलाल उड़ाकर होली खेली। इस दौरान योगी ने समर्थकों से भी हाथ मिलाकर उनको अभिवादन किया। इस दौरान मंच पर जो राम को लाए हैं। हम उनको लाएं हैं के गाने बजते रहे हैं। स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि योगी जी ने परिश्रम की पराकाष्ठा की है। गरीबों के कल्याण के लिए डबल इंजन की सरकार में काम किया है। योगी ने सबसे पहले मंच पर भारत माता के नारे लगाए। इसके बाद उन्होंने कहा कि पीएम मोदी के नेतृत्व में यूपी, उत्तराखंड, मणिपुर और गोवा में बीजेपी की प्रचंड बहुमत की सरकार बनने जा रही है। यह मोदी जी के सुशासन को जनता ने आशीर्वाद दिया है।

जोश में होश नहीं खोना है : सीएम योगी आदित्यनाथ

योगी ने कहा, यूपी देश में आबादी का सबसे बड़ा राज्य है। इसलिए, यूपी में देश और दुनिया की निगाहें थीं। आज भाजपा और उनके सहयोगी दलों ने प्रचंड बहुमत के साथ जीत दर्ज की है। मैं इस बहुमत के लिए यूपी जनता का आभार करता हूं। मैं सभी कार्यकर्ताओं का अभिनंदन करता हूं जिनके परिश्रम से भाजपा को अपनी सहयोगी दलों के साथ इतनी प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाने का अवसर प्राप्त हुआ है। पहली बार सात चरणों में यूपी के चुनाव शांतिपूर्वक तरीके से संपन्न हुए हैं। इसके अलावा, मतगणना के बारे में जो भ्रामक प्रचार किया जा रहा था। लोगों ने उसको दरकिनार किया है। आप सबको इसकी बधाई। निर्वाचन आयोग को भी धन्यवाद दिया। इसके अलावा, पुलिस व चुनावी प्रक्रिया से जुड़े अफसरों-कर्मचारियों का धन्यवाद दिया। हम आभारी है पीएम के। जिन्होंने यूपी को पूरा समय दिया।

कुरुक्षेत्र: हिंदुत्व को नया चेहरा मिला और भाजपा को नया प्रतिद्वंद्वी

लखनऊः पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों के नतीजों ने संघ परिवार को भाजपा और हिंदुत्व का नया नेता और भाजपा विरोधी राजनीति को कांग्रेस का विकल्प दे दिया है। अब 2024 के लोकसभा चुनावों और उससे पहले होने वाले सभी चुनावों में संघ परिवार योगी आदित्यनाथ को हिंदुत्व के नए नेता के रूप में पूरे देश में पेश करेगा तो दूसरी तरफ आम आदमी पार्टी और उसके नेता अरविंद केजरीवाल ने भाजपा के मुकाबले खुद को एक नए विकल्प के रूप में पेश कर दिया है। पंजाब की जीत के बाद अपने संबोधन में अरविंद केजरीवाल ने देश में इंकलाब लाने के लिए बिल्कुल उसी शैली में जनता से आम आदमी पार्टी से जुड़ने का आह्वान किया जैसै कि कभी गुजरात चुनावों में जीत के बाद 2012 में नरेंद्र मोदी ने अपने संबोधन में किया था। केजरीवाल के तेवर बता रहे हैं कि अब वह दिल्ली में ही रुकने वाले नहीं है। उनकी कोशिश उत्तर भारत में आम आदमी पार्टी को भाजपा विरोधी राजनीति की धुरी बनाने की होगी।

कांग्रेस के भीतर होगी भारी उथल-पुथलः उत्तर प्रदेश में प्रियंका गांधी की जी तोड़ मेहनत और पंजाब में चन्नी के दलित कार्ड के बावजूद कांग्रेस की शर्मनाक हार और उत्तराखंड गोवा और मणिपुर में पिछड़ने से उसके हाशिए पर जाने की पटकथा लिख दी है।

- योगी ने लखनऊ में गुलाल उड़ाया, बोले- मोदी जैसा नेतृत्व हो तो ऐसा बहुमत मिलता
- मोदी जी के सुशासन को जनता ने आशीर्वाद दिया
- योगी जी ने परिश्रम की पराकाष्ठा की है: स्वतंत्र देव सिंह

उत्तराखंड : भाजपा ने दर्ज की बंपर जीत, धामी-रावत हारे

देहरादूनः उत्तराखंड विधानसभा चुनाव के नतीजे सामने आगे गए हैं। खबर लिखे जाने तक देर रात तक नतीजे सामने आ रहे थे। भाजपा लगातार जीत के आंकड़े को आगे बढ़ रही है। ऐतिहासिक सीट गंगोत्री को भाजपा ने जीत लिया है। इस सीट को लेकर मिथक रहा है कि जो इस सीट पर जीत दर्ज करते हैं, उसी पार्टी की प्रदेश में सरकार बनती है।

त्तराखंड के पांचवीं विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के जीत के बाद गुरुवार को पार्टी मुख्यालय में जीत के जश्न देखते ही बन रहा है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, चुनाव प्रभारी, कैलाश विजय वर्गीय, केंद्रीय मंत्री अजय भट्ट सहित अन्य मौजूद रहे।

सुबह से बलबीर रोड स्थित पार्टी मुख्यालय कार्यकर्ताओं का हुजूम जुटने लगा था। दोपहर 12 बजे तक ढोल नगाड़ों के साथ एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाकर जीत के बधाई देने का क्रम शुरू हो गया। इस मौके पर संगठन महामंत्री अजेय कुमार, राज्य सभा सांसद नरेश बंशल, पार्टी नेता ज्योति गैरोला सहित अन्य प्रदेश पदाधिकारी मौजूद रहे। दोपहर बाद मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी, केंद्रीय मंत्री और चुनाव प्रभारी प्रह्लाद जोशी, राष्ट्रीय महामंत्री कैलाश विजयवर्गीय, केंद्रीय राज्य मंत्री अजय भट्ट पार्टी मुख्यालय पहुंचे और सभी को जीत की बधाई दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता के विश्वास पर भाजपा शत प्रतिशत खरा उतरेगी। सभी वादों को पूरा किया जाएगा। पूर्व मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता हरीश रावत ने लालकुआं विधानसभा चुनाव में अपनी पराजय को स्वीकार करते हुए कहा कि मैं जनता का विश्वास जितने में सफल नहीं हो पाए। गुरुवार को विधानसभा चुनाव का परिणाम के बाद हरीश रावत ने अपनी को स्वीकार की है। मैं लालकुआं क्षेत्र के लोगों से जिनमें बिंदुखत्ता, बरेली रोड के सभी क्षेत्र सम्मिलित हैं।

पंजाब: चन्नी, सिद्धू, अमरिंदर, बादल समेत सारे दिग्गज आप से हारे

जालंधर/अमृतसर/लुधियानाः पंजाब में सियासी बदलाव के कयास तो पहले से थे, लेकिन आए चुनाव नतीजों ने तो बदलाव की नई परिभाषा तय कर दी है। यहां आम आदमी पार्टी ने न सिर्फ बहुमत के आंकड़े को पीछे छोड़ दिया, बल्कि विनिंग सीट्स का ऐसा पहाड़ खड़ा कर दिया कि कांग्रेस, अकाली दल और भाजपा समेत उसके सहयोगी मिलकर भी आप के लगभग चौथाई हिस्से तक ही पहुंच पा रहे हैं। आप के सीएम कैंडिडेट भगवंत मान ने 45 हजार वोट से रिकॉर्ड जीत दर्ज की है। मौजूदा सीएम चरणजीत चन्नी अपनी दोनों सीटों पर आप कैंडिडेट से हार गए। वहीं, नवजोत सिंह सिद्धू, कैप्टन अमरिंदर सिंह, सुखबीर सिंह बादल को भी आप के हाथों हार का मुंह देखना पड़ा। 30 साल में पहली बार बादल परिवार का कोई सदस्य विधानसभा चुनाव नहीं जीता।

गोवा में भाजपा की वापसी तय

पणजीः गोवा में 38 विधानसभा सीटों के नतीजें आ गए हैं। इस चुनाव में भाजपा ने सारे एग्जिट पोलों को धराशाई कर दिया है। बता दें कि इस बार के ज्यादातर एग्जिट पोल गोवा में त्रिशंकू विधानसभा दिखा रहे थे। खबर लिखे जाने तक इलेक्शन कमीशन द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार कुल 38 सीटों में से भाजपा ने 20 सीटों पर कब्जा किया है। भाजपा अब सरकार बनाने से सिर्फ एक सीट दूर है। इसी के साथ 4 में से 3 निर्दलीयों ने भाजपा को अपना समर्थन भी दे दिया है और भाजपा किसी भी समय सरकार बनाने का दावा पेश कर सकती है।

दिल्ली और पंजाब के बाद अब पूरे देश में होगा इंकलाब : सीएम अरविंद केजरीवाल

नई दिल्लीः आम आदमी पार्टी को पंजाब विधानसभा चुनावों में मिली जीत के बाद दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को दावा किया है कि पार्टी अब राष्ट्रीय विकल्प के तौर पर उभरेगी। युवाओं और महिलाओं को पार्टी से जुड़ने की अपील करते हुए उन्होंने कहा कि दिल्ली और पंजाब के बाद अब पूरे देश में इंकलाब होगा। केजरीवाल ने गुरुवार को दिल्ली के कनॉट प्लेस स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में पूजा-पाठ के बाद पार्टी मुख्यालय में एक सभा को संबोधित

किया । उन्होंने कहा कि पंजाब वालों ने आज आम आदमी पार्टी को जिताकर कमाल कर दिया है। केजरीवाल ने कहा कि वह भगवंत मान को पंजाब का मुख्यमंत्री बनने के लिए बधाई देते हैं । जिस तरह का बहुमत पंजाब ने दिया है उसे पार्टी को बड़ी जिम्मेदारी के साथ निभाना होगा। आम आदमी पार्टी सेवा की राजनीति करेगी। केजरीवाल ने कहा कि पंजाब में बड़ी-बड़ी कुर्सियां डगमगा कई हैं । वहां के मुख्यमंत्री चरणजीत सिंह चन्नी, कैप्टन अमरिंदर सिंह, प्रकाश सिंह बादल सहित कई दिग्गज नेता चुनाव हार गए हैं । आप सरकार ने देश में ईमानदार राजनीति की शुरूआत की है । यह पार्टी बाबा साहब और भगत सिंह के सपने को पूरा करेगी। उन्होंने कहा कि पंजाब में आप के खिलाफ सारी पार्टियां एकत्र हुई थी। सब ने आप के खिलाफ षड्यंत्र किया था। यहां तक की विपक्षी दलों ने उन्हें आतंकवादी तक कहा था लेकिन पंजाब की जनता ने बता दिया कि वह देश के सच्चे सपूत हैं।

स्वीकार हैं जनता का फैसला, देश हित में काम करती रहेगी कांग्रेस: राहुल गांधी

नई दिल्लीः कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहा कि जनता के जनादेश को हम स्वीकार करते हैं। उनकी पार्टी लगातार देश हित में काम करती रहेगी। लोकसभा सांसद राहुल गांधी ने गुरुवार को ट्वीट कर कहा कि वह पार्टी के लिए काम करने वाले कांग्रेस कार्यकताओं को धन्यवाद देते हैं। इन कार्यकताओं ने ही पार्टी को मजबूत बनाने में कठिन मेहनत कर अपना योगदान दिया है। राहुल ने कहा कि कांग्रेस इस चुनाव से सीख लेते हुए देश के हित में कार्य

जारी रखेगी। उल्लेखनीय है कि पांच राज्यों में सम्पन्न हुए विधानसभा चुनाव के परिणाम कांग्रेस के पक्ष में नहीं रहे हैं। कांग्रेस पंजाब को बचाने में विफल रही है।

यूपी चुनाव परिणाम: आखिर कहां गलती हुई सपा गठबंधन से

लखनऊः उत्तर प्रदेश में भाजपा की लगातार दूसरी बार धमाकेदार जीत ने ये तो साबित कर ही दिया है कि फिलहाल उसका कोई विकल्प नहीं है। साथ ही समाजवादी पार्टी, बहुजन समाज पार्टी और कांग्रेस के लिए ये सवाल और गंभीरता से खड़ा हो गया है कि उनका भविष्य क्या है और आने वाले वक्त में इन पार्टियों की अहमियत कितनी बचेगी? दरअसल हर चुनाव के बाद हारने वाली पार्टियों को लेकर ऐसे कुछ सवाल खड़े होते हैं और जीत की एक लहर के आगे ऐसी पार्टियां खुद को कुछ वक्त तक बेबस महसूस करती हैं। आरोप प्रत्यारोप के दौर चलते हैं, ईवीएम के

साथ साथ निष्पक्षता पर सवाल उठते हैं और कुछ समय बाद जनता के फैसले के आगे सब मजबूर हो जाते हैं। इस बार भी फिलहाल उत्तर प्रदेश में विपक्ष अपनी उम्मीदों पर पानी फिरते देख रहा है। लेकिन क्या ये मान लेना चाहिए कि भाजपा की इस जीत में विपक्ष का टुकड़े टुकड़े होना एक बार फिर काम आया। समाजवादी पार्टी के लिए ये बेशक एक राहत की बात है कि वह पिछली बार की अपनी 47 सीटों से बढ़कर लगभग सवा सौ सीटों तक पहुंच गई है और निश्चित तौर पर इस बार एक मजबूत विपक्ष के तौर पर वह सरकार पर दबाव बनाने की स्थिति में नजर आ सकती है। छोटी पार्टियों से गठबंधन के अखिलेश यादव के फार्मूले ने काम तो किया लेकिन उसके लिए बसपा और कांग्रेस का साथ न आना या उन्हें दूर रखना नुकसानदेह साबित हुआ। भाजपा और उसकी सहयोगी पार्टियां 325 से खिसक कर पौने तीन सौ तक आ गईं, इससे ये तो संकेत मिलते ही हैं कि कहीं न कहीं जनता की नाराजगी भी सरकार से रही ही है और इसका फायदा कुछ हद तक सपा गठबंधन को मिला है। लेकिन जो लोग ये मान कर बैठे थे कि इस बार जमीनी हकीकत कुछ और है और योगी दोबारा नहीं आने जा रहे, इससे उन्हें झटका तो जरूर लगा है। ये भी कहा जा रहा था कि भाजपा बेशक दोबारा सत्ता में आ जाए, लेकिन योगी मुख्यमंत्री नहीं रहेंगे, ये भी गलत साबित होने जा रहा है। ऐसे में सबसे ज्यादा सोचने की जरूरत कांग्रेस और बसपा को है। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी ने इस दौरान खूब मेहनत की, नए सिरे से प्रदेश में कांग्रेस को खड़ा करने में जी जान लगा दिया, लेकिन सीटें पिछली बार की तुलना में 4 और कम हो गईं।

उप्र चुनावः हार स्वीकार, जल्द करेंगे समीक्षाः कांग्रेस

नई दिल्लीः कांग्रेस पार्टी ने पांच राज्यों में मिली हार को स्वीकार करते हुए गुरुवार को कहा है कि पार्टी जल्द ही इस हार की समीक्षा करेगी। चुनाव नतीजे निराशाजनक हैं, लेकिन हम हताश नहीं है। पार्टी बदलाव और नई रणनीति के साथ दोबारा लौटेगी। पार्टी के मुख्य प्रवक्ता रणदीप सिंह सुरजेवाला ने प्रेस वार्ता कर कहा कि पांच राज्यों के नतीजे कांग्रेस पार्टी की आशा के अनुरूप नहीं आए हैं। हम इसे स्वीकार करते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने निर्णय लिया है कि

जल्द ही कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक की जाए और नतीजों को लेकर आत्म निरीक्षण किये जाएं। पंजाब में मिली हार के लिए पार्टी ने कैप्टन अमरिंदर के नेतृत्व में साढ़े 4 साल की सरकार से जुड़ी एंटी-इनकंबेंसी को जिम्मेदार ठहराया है। सुरजेवाला ने कहा कि पार्टी ने एक स्वच्छ, विनम्र तथा जमीनी स्तर पर काम करने वाले नेता चरण सिंह चन्नी को नेतृत्व सौंपा था, लेकिन हम इस एंटी-इनकंबेंसी से पार नहीं पा पाए।

उन्होंने आम आदमी पार्टी के नेता भगवंत मान और अरविंद केजरीवाल को जीत की बधाई दी है। उत्तर प्रदेश को लेकर पार्टी प्रवक्ता ने कहा कि इन चुनावों में कांग्रेस खुद को पुनर्जीवित करने में कामयाब हुई है।

खबर संक्षेप

दो पक्षों में जमीनी विवाद में मार पीट क्रास मुकदमा दर्ज

मऊआइमा। जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में जमकर मार पीट हुई। दोनों ओर से कई घायल हुए हैं। पुलिस ने दोनों ओर से मुकदमा दर्ज कर लिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम कल्याणपुर में जमीनी विवाद को लेकर दो पक्षों में मार पीट के दौरान कई को चोटें आयी है । एक पक्ष के राघवेंद्र कुमार पुत्र केशव प्रसाद ने मऊआइमा थाने में ओमप्रकाश ,श्याम सुन्दर, सुशीला, शीला तथा एक अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है जबकि दूसरे पक्ष के ओम प्रकाश पुत्र उमेश कुमार ने मऊआइमा थाने में कपिल, अनीता, राघवेंद्र, विकास, राजकुमारी के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है।

अनियंत्रित सफारी कार डिवाइडर से टकराई, युवा व्यवसाई की हुई मौत

अखंड भारत संदेश

सहसों। सहसों गोल चौराहा से 50 मीटर पहले जौनपुर प्रयागराज मार्ग पर बुधवार की रात करीब साढ़े 10 बजे सफारी चार पहिया वाहन सहसों बाईपास की तरफ से आ रही तेज रफ्तार सफारी कार अनियंत्रित होकर गोल चौराहा से पहले डिवाइडर पर जोरदार से जा टकराई जिससे कार पलट जाने से चालक युवा व्यवसाई की हालत बेहद नाजुक हो जाने से स्थानीय लोग उपचार के लिए ले जा रहे थे परन्तु रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना सराय इनायत क्षेत्र के सहसों पुलिस चौकी अंतर्गत बुधवार देर रात लगभग साढ़े 10बजे सहसों चौराहा फाफामऊ रोड निवासी दूध, घी का व्यवसाय करने वाले अतुल कुमार गुप्ता 26 वर्ष पुत्र सुरेश गुप्ता अपनी चार पहिया सफारी कार से अपने एक मित्र को सहसों बाजार छोड़ने गया था। वहां से बाईपास होते हुए वापस लौटते समय तेज रफ्तार चार पहिया वाहन सहसों चौराहे के समीप डिवाइडर से टकरा गया। जिससे अतुल कुमार गंभीर रूप से घायल हो गया मौके पर पहुंचे स्थानीय लोग इलाज के लिए प्रयागराज जा रहे थे कि रास्ते में ही दम तोड़ दिया। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वापस लौटते समय सहसों चौराहे के समीप टायर फटने से अनियंत्रित गाड़ी डिवाइडर में टकरा कर पलट गई जिसके नीचे गाड़ी चला रहे अतुल गुप्ता दबकर गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर पहुंचे स्थानीय लोगों ने तत्काल गंभीर रूप से घायल अतुल कुमार को इलाज के लिए प्रयागराज ले जा रहे थे कि रास्ते में ही अतुल कुमार की सांसें थम गई। सूचना पर पहुंचे पुलिस ने शव का पंचनामा कर गुरुवार को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। अतुल कुमार गुप्ता दो भाई तथा एक बहन में दूसरे नंबर का था। अतुल कुमार की मौत से परिजनों में कोहराम मचा हुआ है।

घटना के बाद रोते बिलखते परिवारी जन व महिलाएं तथा इन्सेट में मृतक अतुल कुमार गुप्ता की फाइल फोटो।

राष्ट्रीय राजमार्ग पर सवारियों से भरी बस पलटी, एक दर्जन हुए घायल

अखंड भारत संदेश

सिरसा। प्रयागराज मेजा राष्ट्रीय राजमार्ग-76 पर गुरुवार दोपहर में बाइक सवार को बचाने के चक्कर में सवारियों से भरी बस अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे पलट गई। बस में सवार लगभग एक दर्जन लोग गंभीर रूप से घायल हो गये हैं। घायलों को पास के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है।गुरुवार दोपहर लगभग ढाई बजे प्रयागराज से गैपुरा, मिजार्पुर जा रही सवारियों से भरी बस टुड़िहार, ऊंचडीह के समीप बाइक सवार को बचाने के चक्कर मे अनियंत्रित होकर पलट गई। अस्थानिय लोगो ने घायलों को पास के निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। आसपास के लोगों ने घायलों को सब से निकालने के साथ ही इलाकाई पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही कोतवाल मेजा तुषार दत्त त्यागी दलबल के साथ मौके पर पहुंचे।

टुड़िहार ऊंचडीह के समीप बाइक सवार को बचाने के चक्कर मे पलटी सवारियों से भरी बस

करछना में साइकिल की रफ्तार पर लगा ब्रेक

(सुनील गिरि)

प्रयागराज। जिले के अंतर्गत करछना विधानसभा क्षेत्र समाजवादी पार्टी का गढ़ माना जाता है। इसी गढ़ में पहली बार सेंधमारी करते हुए भारतीय जनता पार्टी गठबंधन की जीत हुई है। करछना विधानसभा क्षेत्र में भाजपा की जीत कई मायनों में अहम रखती है। सपा हमेशा अपना गढ़ मानती चली आ रही थी। साथ ही किसी किले से कम कम भी नहीं मानती थी। यह पहली बार है कि इस किले पर भारतीय जनता पार्टी का ध्वज फहराया गया और कमल के फूल को खिलाया गया है। जबकि दो बार बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशियों ने करछना विधानसभा क्षेत्र से जीत दर्ज कर चुके हैं, लेकिन भारतीय जनता पार्टी इस विधानसभा क्षेत्र से हर बार पटखनी खाती चली आ रही थी। इस बार जीत दर्ज कर सपा के गढ़ में सेंध मारी करने में सफल रही है। बता दें कि करछना विधानसभा क्षेत्र वर्तमान में राज्यसभा सांसद कुंवर रेवती रमण सिंह के लिए अत्यंत ही महत्वपूर्ण रखता है। जब यह सीट मेजा व करछना विधानसभा क्षेत्र मिलाकर एक सीट हुआ करती थी। 1974 से लेकर 2002 तक आठ बार इसी सीट पर वह विधानसभा का चुनाव जीतकर क्षेत्रवासियों का नेतृत्व भी कर चुके हैं। कुंवर रेती रमण सिंह की राजनीति भी इसी विधानसभा क्षेत्र से शुरू हुई है। वह भारतीय जनता पार्टी के प्रमुख नेता डॉ मुरली मनोहर जोशी को सांसद का चुनाव हराकर समाजवादी पार्टी में उनकी एक अलग ही पहचान बनी हुई है। जो अभी कायम है। अपनी पारंपरिक सीट को मानते हुए उन्होंने अपने सुपुत्र कुंवर उज्जवल रमण सिंह को पहली बार 2003-4 मैदान में उतारा और जीत भी दर्ज की थी। इसके बाद 2017 में भी जीत दर्ज करने में सफलता प्राप्त कर चुके हैं।।

खिला कमल का फूल पहली बार करछना विधानसभा क्षेत्र में भाजपा गठबंधन के प्रत्याशी की हुई जीत

एक नजर इधर भी, कितना मायने रखती है यह सीट

1974 में पहली बार कांग्रेस की टिकट से कुंवर रेवती रमण सिंह ने उस वक्त जीत दर्ज की थी। जब करछना व मेजा को मिलाकर एक विधानसभा क्षेत्र हुआ करता था। इसी सीट से वह लगातार 1977, 1980 जनता पार्टी, 1985, ,1989 व 1991 जनता दल, 1996, 2002 में समाजवादी पार्टी से लगातार आठ बार चुनाव जीत चुके हैं। जबकि उनके पुत्र कुंवर उज्जवल रमण सिंह 2003-4 में समाजवादी पार्टी से चुनाव पहली बार लड़े और जीत दर्ज की थी। उसके बाद 2007 में बहुजन समाज पार्टी के कलेक्टर पांडेय व 2012 में बीएसपी के ही दीपक पटेल यहां से चुनाव जीत चुके हैं। इसके बाद एक बार फिर समाजवादी पार्टी से कुंवर उज्जवल रमण सिंह 2017 में इसी सीट से विधानसभा का चुनाव लड़े और जीत दर्ज कर विधायक बने थे। इस बार 2022 के विधानसभा चुनाव में वह अपनी सीट को बचाने में कामयाब नहीं हो पाए। बहुजन समाज पार्टी के बाद यह पहली बार है कि करछना विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी गठबंधन ने सेंधमारी करते हुए प्रत्याशी पियूष रंजन निषाद जीत दर्ज करने में सफलता प्राप्त की है।

जताया मतदाताओं का आभार

प्रयागराज के यमुनापार भारतीय जनता पार्टी के जिला अध्यक्ष विभव नाथ भारती ने करछना विधानसभा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए उन्होंने मतदाताओं के प्रति आभार जताया और कार्यकर्ताओं के लगन व मेहनत का नतीजा बताया। वहीं भारतीय जनता पार्टी के पूर्व मंत्री लाल बहादुर साहू ने करछना विधानसभा क्षेत्र से भाजपा की जीत को ऐतिहासिक बताते हुए कहा कि यह सीट समाजवादी पार्टी के लिए काफी मायने रखती थी, लेकिन इस बार भारतीय जनता पार्टी की नीतियों को ध्यान में रखते हुए मतदाताओं ने उनकी पार्टी के प्रत्याशी को जीत दिलाई है।

समाजवादियों का गढ़ मानें जाने वाले करछना विधानसभा क्षेत्र से कभी भी भारतीय जनता पार्टी का कोई भी प्रत्याशी जीत नहीं दर्ज कर पाया था। यह पहली बार है कि 2022 के विधानसभा चुनाव में साइकिल की रफ्तार को रोकते हुए भारतीय जनता पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी की जीत हुई है। बता दें कि इससे पूर्व बहुजन समाज पार्टी के प्रत्याशी कलेक्टर पांडेय ने 2007 में और उक्त पार्टी के ही दीपक पटेल ने 2012 में सपा प्रत्याशी कुंवर उज्जवल रमण सिंह को विधानसभा के चुनाव में पटखनी दे चुके हैं। गौरतलब हो कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के पांचवें चरण के तहत बीते 27 फरवरी को मतदान की प्रक्रिया को पूर्ण किया गया था। इस विधानसभा क्षेत्र से समाजवादी पार्टी के कुंवर उज्जवल रमण सिंह, भारतीय जनता पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी पीयूष रंजन निषाद, बहुजन समाज पार्टी के अरविंद शुक्ला उर्फ भामे समेत 13 प्रत्याशियों ने चुनाव मैदान में विजयी होने के लिए ताल ठो?क रहे थे। सभी प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम मशीन में कैद हो चुकी थी। 10 मार्च को मतगणना पूर्ण होने पर करछना विधानसभा का चुनाव परिणाम बड़े ही चौंकाने वाले आए। इस सीट पर पहली बार साइकिल की रफ्तार को ब्रेक लगाते हुए भारतीय जनता पार्टी गठबंधन के प्रत्याशी पियूष रंजन निषाद ने समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी कुंवर उज्जवल रमण सिंह को लगभग 9 हजार पांच सौ मतों से पटखनी देते हुए कमल के फूल खिलाने में सफलता प्राप्त की है। पहली बार भाजपा की जीत से कार्यकर्ताओं में भारी खुशी की लहर व्याप्त है।

अप्पे पलटने से मजदूर की हुई मौत

लालापुर। घर से मजदूरी करने के लिए अप्पे पर सवार होकर निकले एक मजदूर की अप्पे पलट जाने के कारण गम्भीर चोट लगने के चलते मौत हो गई । मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। लालापुर थाना क्षेत्र के जगदीशपुर गांव निवासी शिवकुमार निषाद (35) पुत्र रामसगुन गुरुवार की सुबह अप्पे पर सवार होकर मजदूरी करने के लिए कचरा गांव की ओर जा रहा था ।अभी अप्पे कचरा गांव पहुंचने वाला था कि अचानक खड्ड में पलट गया ।जिससे अप्पे में सवार मजदूर शिवकुमार निषाद अप्पे के नीचे दब गया और उसके सिर में गंभीर चोटें आ गई । जब तक उसे इलाज के लिए भेजा जाता तब तक उसकी मौत हो गई । सूचना पर पहुंची पुलिस शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । घटना की सूचना मिलते ही शिवकुमार की पत्नी राजेश्वरी पुत्र अमर चन्द्र,जयचंद्र बेटी पुष्पा और अंशिका का रो रोकर बुरा हाल है।

बाइक से हुई टक्कर में घायल की उपचार के दौरान मौत

मऊआइमा। तेज गति से आ रही बाइक ने घर के सामने खडे किशोर को जोरदार टक्कर मार दी। जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया था। उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। मऊआइमा थाना क्षेत्र के ग्राम देवगलपुर निवासी रमेश कुमार मुकेश पटेल 15 वर्ष पुत्र रामसजीवन अपने घर के सामने बुधवार को देर शाम खडा था ।बताते हैं कि तभी तीव्र गति से आ रही बाइक चालक ने मुकेश कुमार को जोरदार टक्कर मार दी। जिससे मुकेश कुमार घायल हो गया था। जिसका उपचार अस्पताल में चल रहा था। गुरुवार को सुबह मुकेश कुमार की मौत हो गई । पुलिस को सूचना मिलने पर वह शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दी है । उधर रोते बिलखते परिजन चीरघर पहुंच गए । मृतक मुकेश कुमार के पिता राम सजीवन ने मऊआइमा थाने में बाइक चालक रमेश कुमार पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज करा दिया है ।

करछना में पहली बार खिला कमल का फूल जश्न के साथ फूटे पटाखे

अखंड भारत संदेश

करछना। उत्तर प्रदेश के हुए विधानसभा चुनाव में विधानसभा 260 करछना में पहली बार कमल का फूल खिलने में कामयाब हुआ, जहां पर भाजपा समर्थकों में खुशी जताते हुए जश्न मनाया और एक दूसरे का मुंह मीठा कराया और जश्न में खूब पटाखे फोडे गयें । बतादेकि करछना विधानसभा में पहली बार कमल का फूल ने जीत का परचम लहराया हैं, इसके पहले इस विधानसभा में सपा, बसपा का सिक्का चलता रहा है, जयादा तर इस सीट पर समाजवादी पार्टी के पाले में यह सीट रही हैं ।दो बार बसपा के बाद सपा प्रत्याशी का कब्जा कायम रहा है, लेकिन इस बार भाजपा की सहयोगी पार्टी निषाद पार्टी समर्थित प्रत्याशी पियूष रंजन निषाद ने जीत का परचम लहरा कर करछना 260 विधानसभा सीट पर कमल फूल खिलाने में कामयाब रहे ।यहां से कयी बार विधायक रह चुके उज्जवल रमण सिंह को करारी हार का मुंह देखना पड़ा।जिसमें सपा समर्थकों में मायूशी जहां दिखी वही भाजपा खेमे में देर शाम तक जश्न का माहौल रहा।

कांटे की टक्कर में बाजी मार गए संदीप, नीलम को मिली निराशा

अखंड भारत संदेश

सिरसा। विधानसभा चुनाव के मतगणना के दौरान काटें की टक्कर में भाजपा सपा के प्रत्याशियों सहित समर्थकों की धड़कनें इस कदर बढ़ गई थी कि सभी की जुबां पर ताले लग गए थे। आखिरकार काटें की टक्कर में मेजा विधानसभा में विधायकी का मुकुट सपा ने पहन भाजपा दलों को निराशा दे दी।

बतादें की विधानसभा में प्रयागराज की मेजा सीट से भाजपा प्रत्याशी नीलम करवरिया और सपा प्रत्याशी संदीप पटेल के बीच कड़ा एवम रोमांचक मुकाबला मतगणना शुरूआती दौर से ही शुरू हो गया था। कहीं भाजपा तो कहीं सपा की उठा पटक देख समर्थकों की धड़कनें तेज हो गई थी। उधर दोंनो प्रत्याशी अपनी अपनी जीत को लेकर देवी देवताओं को मन ही मन पुकारते रहे। जबकि समर्थकों को कड़कड़ाती धूप में निराशा के साथ खड़े होकर इंतजार करना पड़ा। वहीं कड़े एवम रोमांचक मुकाबले के बीच सपा प्रत्याशी संदीप पटेल को 78164 मत व नीलम करवरिया को 74869 मत मिले। आखिरकार सपा प्रत्याशी ने अपने प्रतिद्वंदी नीलम को 3295 मतों से पराजित कर मेजा सीट का मुकुट पहन समर्थकों में उत्साह भर दिया। उधर जीत की भनक लगते ही समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ पड़ी। प्रत्याशी संदीप पटेल को बाहर निकलने पर समर्थकों ने माल्यार्पण कर जोरदार स्वागत करते हुए जमकर नारेबाजी किया। वहीं मेजा सीट से काटें की टक्कर के बाद हुई सपा की जीत लोगों में चर्चा का विषय बनी हुई है। मेजा विधानसभा क्षेत्रों में पटाखों की गूंज दूर दूर तक सुनाई देती रही।

जल संरक्षण की महत्ता को समझाने के लिए चलाया जाएगा अभियान

अखंड भारत संदेश

करछना। तहसील करछना के रामसागर में स्थित कार्यालय पर दिशा फाउंडेशन एवम ट्रस्ट की कार्यसमिति के बैठक का आयोजन किया गया।संस्था की सदस्यों सहित पदाधिकारियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहीं डा. अस्मिता सिंह नें कहा कि पिछले दो महीनों से आदर्श आचार संहिता की वजह फाउंडेशन के अनेकों कार्यक्रम लंबित हैं जिसे आदर्श आचार संहिता के खत्म होते ही तीव्र गति से कार्यो को सम्पन्न किया जाएगा। जनपद के विभिन्न चौराहो पर पेयजल हेतु घड़े रखने की कार्ययोजना पर आम सहमति बनायी गयी। इस अवसर पर संस्था के द्वारा यह भी सामूहिक फैसला लिया गया कि आगामी 13मार्च को लालगोपालगंज में 08महिलाओं को सोलर, लैपटाप, कापी बैग का वितरण सहित लोगों को जल की एक एक बूँद के महत्व को समझा नें हेतु जल संरक्षण पर कार्यक्रम आयोजित किये जाएंगे।संस्था की कार्यवाहक कोषाध्यक्ष डा.उषा पटेल के मुताबिक संस्था के प्रमुख उद्देश्यों में सोलर, पेयजल, बेटियों की शिक्षा समेत अनेकों कार्य व्यापक पैमाने पर आयोजित किये गये थे अब पुनः आदर्श आचार सहिता के पश्चात अनवरत जारी रहेगा।उक्त अवसर पर संस्था के सदस्यों सहित पदाधिकारी एवम स्थानीय लोग मौजूद रहें।

जल सरंक्षण की महत्ता की दी जानकारी

राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर चला हस्ताक्षर अभियान

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। जिला तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ ने राष्ट्रीय धूम्रपान निषेध दिवस पर राजकीय हेल्थ ट्रेनिंग सेंटर में हस्ताक्षर अभियान चलाया। इस दिन जनपद के सभी ब्लॉक से आशा, एएनएम व आशा संगिनी को कार्यक्षेत्र में तंबाकू नियंत्रण के लिए प्रशिक्षित किया गया। सभी ने मानव श्रृंखला बनाकर तंबाकू छोड़ने व छुड़वाने का संकल्प लिया।

कार्यक्रम में आशा, एएनएम व आशा संगिनी को स्वास्थ्य शिक्षा अधिकारी गीता सिंह, ऋतु सिंह ने तम्बाकू नियंत्रण के लिए प्रशिक्षित किया। प्रकोष्ठ के जिला सलाहकार डॉ. शैलेश मौर्य, व समाजसेवी सुमनलता त्रिपाठी ने प्रशिक्षण में सभी को तंबाकू से होने वाले दुष्परिणामों के बारे में बताया। डॉ. शैलेश ने कहा कि आज नैनी स्थित शुआट्स विश्व विद्यालय के फॉरेस्ट विभाग में तम्बाकू नियंत्रण प्रकोष्ठ की टीम ने रामाश्रीजन जनकल्याण संस्था के समन्वय से तंबाकू मुक्त जीवन रखने के लिए छात्रों को हस्ताक्षर अभियान से जोड़ा गया है। छात्र-छात्राओं को धूम्रपान और अन्य तंबाकू उत्पादों के सेवन से होने वाली बीमारियों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। समाजसेवी सुमनलता त्रिपाठी ने कहा कि आशा व एएनएम अपने कार्यक्षेत्र में घर-घर जाकर ऐसे लोगों को चिन्हित करें व उनसे तंबाकू छोड़ने का आग्रह करें। इसके लिए उन्हें जनपद के मंडलीय चिकित्सालय काल्विन लेकर आएँ उन्हें बताएं की यहाँ उनका पूरा इलाज मुफ्त किया जाएगा व उन्हें मनोवैज्ञानिक तौर पर भी तंबाकू छोडने के लिए प्रेरित किया जाएगा। मेडिकल ऑफिसर डॉ॰ रवि कुमार ने बताया कि ह्यआमजन में मानसिक बीमारी बढ़ रही है। इसके कारण वह धूम्रपान या तंबाकू के आदि हो रहे हैं। इससे उनका तनाव कम होने के बजाए बढ़ रहा है और व्यक्ति पूरी तरह तंबाकू पर निर्भर हो जाता है। लम्बे समय तक धूम्रपान या किसी अन्य रूप में तम्बाकू सेवन से बहुत सी शारीरिक समस्याएँ भी पैदा होती हैं जिसमें व्यक्ति को नपुंसकता भी हो सकती है। इसके अलावा इसके सेवन से गंभीर व जानलेवा रोग भी होते हैं। अपने और अपनों के स्वाथ्य के लिए हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है कि वह धूम्रपान और तम्बाकू उत्पादों से दूर रहे। सभी को आज के दिन धूम्रपान या तम्बाकू उत्पादों का सेवन न करने का संकल्प लेना चाहिए।

आशा-एएनएम ने ली शपथ लगाएँगी तंबाकू पर नियंत्रण तंबाकू सेवन से बढ़ रहा युवाओं में तनाव : डॉ॰ रवि कुमार

राष्ट्रीय धूम्रपान निषेद दिवस पर हस्ताक्षर करतीं महिलाएं

कंपनी का डायरेक्टर होने से चेक बाउंस के केस में जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट की बड़ी खबरें:केवल कंपनी का डायरेक्टर होने से चेक बाउंस के केस में जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता प्रयागराज एक घंटा पहले इलाहाबाद हाईकोर्ट ने फैसला दिया है कि केवल एक कंपनी का डायरेक्टर होने के नाते चेक बाउंस होने के मामले में जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता। यह आदेश न्यायमूर्ति सैयद आफताब हुसैन रिजवी ने गौतमबुद्ध नगर के जतिंदर पाल सिंह की याचिका को स्वीकार करते हुए दिया है। विपक्षी ने एक शिकायत दर्ज की। उसने आरोप लगाया गया कि वह विनिर्माण और सिग्नलिंग उपकरणों, औद्योगिक बैटरी और अन्य उपकरणों का व्यापार करता है। याची की कंपनी अधिनियम, 1956 के तहत निगमित एक पब्लिक लिमिटेड कंपनी है। अन्य आरोपी कंपनी के निदेशक/कार्यकारी निदेशक हैं। याची ने सहायक उपकरण के साथ बैटरी बैंक, चार्जर के दो सेटों की आपूर्ति के लिए एक खरीद आदेश दिया। शिकायतकर्ता ने सामग्री की आपूर्ति की। बाद में शिकायतकर्ता के पक्ष में उनकी साइट पर आपूर्ति किए गए सामान के भुगतान के लिए आरोपी ने 1-1 करोड़ रुपए के लिए दो चेक जारी किए।शिकायतकर्ता ने उक्त चेक प्रस्तुत किया और भुगतान के लिए प्रस्तुत करने पर उसका चेक बाउंस कर दिया गया। दूसरा चेक भी बाउंस हो गया। विपक्षी शिकायतकर्ता ने उक्त दो चेकों के तहत बकाया राशि के भुगतान की मांग करते हुए कानूनी नोटिस जारी किया। जब कानूनी नोटिस प्राप्त होने के बावजूद वे अनादरित चेक की राशि का भुगतान निर्धारित समय के भीतर करने में विफल रहे, तो शिकायत दर्ज की गई। इसमें मजिस्ट्रेट ने दिनांक 7 जनवरी, 2014 के आदेश द्वारा आवेदक और शिकायत में नामित अन्य आरोपियों को धारा 138 एनआई अधिनियम के तहत अपराध के परीक्षण के लिए समन किया। इससे व्यथित होकर आवेदक ने आपराधिक पुनरीक्षण दायर किया था। विशेषन्यायाधीश एससी/एसटी एक्ट द्वारा निर्णय और आदेश 2 जनवरी, 2021 द्वारा खारिज कर दिया गया था।

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का दिया हवाला

हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि किसी कंपनी के निदेशक के दायित्व के लिए यह दिखाया जाना चाहिए कि निदेशक कंपनी के व्यवसाय के संचालन के लिए जिम्मेदार था। कोर्ट ने पाया कि शिकायत से स्पष्ट है कि इस बात का कोई विशेष प्रमाण नहीं है कि आवेदक कंपनी के दिन-प्रतिदिन के मामलों में शामिल है। केवल सामान्य आरोप है कि आवेदक कंपनी का निदेशक है। आवेदक द्वारा दाखिल किए गए दस्तावेज यह साबित करते हैं कि वह नामित निदेशक था और जिसने अब इस्तीफा दे दिया है।

प्रयागराज में 8 सीटों पर भाजपा का कब्जा शहर की तीनों सीट पर भगवा का ही रंग

4 सीट पर सपा ने दर्ज की जीत, 2 विधानसभा में करीबी रहे

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। प्रयागराज की 12 विधानसभा सीटों में से 8 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी ने कब्जा जमाया है। प्रयागराज की 4 विधानसभा सीटों पर सपा ने जीत दर्ज की है, जबकि बसपा और कांग्रेस का जनपद में खाता भी नहीं खुला। शहर की तीनों विधानसभा सीटों पर भजपा ने जीत दर्ज की है। कैबिनेट मिनिस्टर नंद गोपाल गुप्ता नंदी शहर दक्षिणी से व कैबिनेट मिनिस्टर सिद्धार्थ नाथ सिंह शहर पश्चिमी से चुनाव जीत गए हैं। विधायक नीलम करवरिया मेजा से सपा के संदीप पेटेल से चुनाव हार गई हैं। वहीं कोरांव विधानसभा से भाजपा प्रत्याशी राजमणि कोल ने जीत दर्ज की है। उन्होंने 10,000 से अधिक मतों से सपा प्रत्याशी को हराया है।

उधर शहर उत्तरी से भाजपा प्रत्याशी हर्षवर्धन वाजपेयी ने शुरू से निर्णायक बढ़त बनाए रखी और 50 हजार वोटों से चुनाव जीत लिया है। उन्होंने सपा उम्मीदवार संदीप यादव को करारी शिकस्त दी। कांग्रेस के कद्दावर नेता अनुग्रह नारायण सिंह को करारी हार का सामना करना पड़ा है। अनुग्रह इस सीट पर चार बार विधायक रह चुके हैं। मेजा से सपा प्रत्याशी संदीप सिंह ने बाजी मार ली है। यहां भाजपा की वर्तमान विधायक नीलम करवरिया 3 हजार के लगभग मतों से चुनाव हार गई हैं। कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी शहर दक्षिणी से और सिद्धार्थनाथ सिंह शहर पश्चिम से चुनाव जीत गए । हालांकि सभी सीटों पर सपा के उम्मीदवार भाजपा की उम्मीदवार को टक्कर देते दिखे।

डोर टू डोर जनसंपर्क ने दिलाया जीत : नंदी

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। शहर दक्षिण विधानसभा सीट से कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी अपना विजय अभियान इस बार भी जारी रखा। उन्होंने सपा प्रत्याशी रईश चंद्र शुक्ला को 26417 मतों से शिकस्त दी। हालांकि रईस ने नंदी को कड़ी टक्कर भी दी। मतगणना के दौरान एक वक्त ऐसा भी आया जब नंदी सपा प्रत्याशी से तकरीबन सात हजार मत से पिछड़ गए थे। लेकिन अंत में नंदी उन्हें शिकस्त देने में कामयाब हो गए। नंदी के खाते में 97487 मत आए तो रईस को 71070 वोट से ही संतोष करना पड़ा। खास बात यह रही कि शहर दक्षिण से नंदी ने इस बार चौथी बार चुनाव लड़ा और हर बार उनके मत में लगातार इजाफा हुआ। नंदी इस सीट से बसपा एवं भाजपा के टिकट पर दो-दो बार चुनाव लड़ चुके हैं। बसपा से 2007 में निर्वाचित हुए, जबकि 2012 में उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

सपा के रईस चन्द्र शुक्ल ने दी कड़ी टक्कर

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। पिछले चुनाव में नंदी को 93011 वोट मिले थे। इस बार उनका वोट बढ़कर 97487 पर पहुंच गया। नंदी के जीत की मुख्य वजह उनका वोटरों से वन टू वन संपर्क माना जा रहा है। खुद नंदी कई बार कह चुके हैं कि उनके विधानसभा क्षेत्र में 87963 घर हैं जिनमें 73139 घरों में उनका वन टू वन संपर्क है।नंदी के करीबी लोगों का कहना है कि रईस के खड़े होने से कुछ ब्राहमण वोट सपा में खिसके जरूर, लेकिन उसका कोई खास असर नहीं पड़ा। मेयर अभिलाषा गुप्ता द्वारा मेयर के रूप में किए गए कार्य का भी उन्हें फायदा मिला। इस बार नंदी के खाते में थोड़े बहुत मुस्लिमों के वोट भी आए। साथ ही नंदी को वैश्य, क्षत्रिय, कायस्थ, पिछड़ी जाति, अनुसूचित जाति, सिख समुदाय के भी काफी वोट मिले।

विकास कार्यों ने पार लगाई हर्षवर्धन की नैया, जनता ने जताया भरोसा

प्रयागराज। शहर उत्तरी विधानसभा क्षेत्र में भाजपा सरकार द्वारा कराए गए विकास कार्यों की नाव ने हर्षवर्धन बाजपेयी को चुनावी वैतरणी पार करा दी। यहां की जनता ने उन पर भरोसा बरकरार रखा और दोबारा उन्हें विधायक चुना। जानकारों का कहना है कि इस सीट पर पार्टी आलाकमान की ओर से प्रत्याशी के चयन में की गई देरी भी हर्ष के लिए मुफीद साबित हुई। यही वजह थी कि उन्हें मतदाताओं की सहानुभूति भी मिली।प्रयागराज में विकास की बात करें तो सबसे ज्यादा लाभान्वित शहरी उत्तरी क्षेत्र ही हुआ। भाजपा सरकार के कार्यकाल में ही यहां चार फ्लाईओवर बने। चमचमाती सड़कें, बिजली व्यवस्था में सुधार समेत अन्य कई कार्य भी प्राथमिकता पर हुए। जानकारों का कहना है कि हर्ष को इसी विकास का फायदा मिला। इसके अलावा प्रदेश की जिन कुछ सीटों पर प्रत्याशी चयन को लेकर भाजपा जबरदस्त उहापोह में रही, उनमें शहर उत्तरी की सीट भी शामिल थी। लेकिन आखिर में हर्ष का ही नाम फाइनल हुआ।

53.06 प्रतिशत लोगों ने जताया भरोसा

ऐसे में जनता की सहानुभूति भी उन्हें मिली। बात वोट प्रतिशत की करें तो पिछले चुनाव की अपेक्षा इस बार हर्ष को 1.38 फीसदी ज्यादा वोट मिले। पिछले बार जहां 51.68 फीसदी लोगों ने उन पर भरोसा जताया था, वहीं इस बार 53.06 फीसदी वोट उन्हें मिले। इस सीट पर दूसरे नंबर पर सपा के संदीप यादव रहे। उन्हें 24.9 फीसदी वोट मिले। सबसे बड़ा झटका कांग्रेस प्रत्याशी अनुग्रह नारायण सिंह को लगा जो खिसककर तीसरे स्थान पर पहुंच गए। गौरतलब है कि अनुग्रह इस सीट से चार बार विधायक रहे हैं। लेकिन उन्हें लगभग 14 प्रतिशत वोट से ही संतोष करना पड़ा।

जीत के सर्टिफिकेट के साथ सपा की पल्लवी पटेल

कांटे के मुकाबले में पल्लवी पटेल ने केशव प्रसाद मौर्य को हराया

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। कौशांबी जनपद बल्कि आसपास के जिलों में भी सबसे हाट मानी जा रही सिराथू विधानसभा सीट के परिणाम को लेकर सभी की निगाह टिकी है। हर चरण के नतीजे आने के बाद लोगों की उत्सुकता भी बढ़ती जा रही है। और ऐसा हो भी क्यों न, इस सीट पर जहां एक ओर यूपी के उप मुख्यमंत्री व भाजपा प्रत?याशी केशव प्रसाद मौर्य हैं तो दूसरी ओर समाजवादी पार्टी और अपना दल कमेरावादी गठबंधन की प्रत?याशी पल्लवी पटेल थीं। आखिरकार शाम को बवाल, पथराव, फायरिंग और लाठीचार्ज के बीच 33 चरणों की गिनती पूरी हुई तो पल्लवी पटेल भारी पड़ीं। केशव प्रसाद मौर्य 6841 मतों से चुनाव में पराजित हो गए।

दूसरे चरण से केशव मौर्य से आगे चल रही थीं पल्लवी पटेल

सिराथू विधानसभा सीट (251) पर पहले राउंड में भाजपा प्रत?याशी केशव प्रसाद मौर्य ने बढ़त बनाई थी। प्रथम चरण के बाद केशव प्रसाद मौर्य सपा प्रत्याशी पल्लवी पटेल से 870 मतों से आगे थे। इस राउंड में भाजपा को- 3236 मत मिले थे जबकि सपा गठबंधन को 2366 मत मिले थे। बसपा को 311 और कांग्रेस को 27 मत मिले थे।दूसरे राउंड की मतगणना में भाजपा प्रत्याशी केशव मौर्य को 2953 व पल?लवी को 4278 मत मिले। इस राउंड से पल?लवी ने केशव को पीछे छोड़ा। तीसरे राउंड की मतगणना में केशव मौर्य को 8482 और पल्लवी पटेल को 10626 मत मिले। चौथे राउंड में केशव को 3010 और पल?लवी को 3687 वोट मिले। पांचवें चरण में केशव को 2643 व पल?लवी को 3112 वोट मिले थे। छठें चरण में भाजपा केशव मौर्य को 2951 व सपा अद कमेरावादी गठबंधन की पल्लवी पटेल को 3143 मिले थे। यानी दूसरे से लेकर आखिरी चरण तक पल?लवी ने बढ़त बनाई। 33वें चरण की गिनती पूरी हुई तो साफ हो गया कि केशव प्रसाद यह मुकाबला 6841 वोट से हार गए हैं।

बारा से अपना दल प्रत्याशी की जीत पर भाजपा कार्यकताओं ने दी बधाई

लालापुर। बारा विधानसभा से भाजपा, अपना दल (एस) व निषाद पार्टी के संयुक्त प्रत्याशी वाचस्पति की जीत पर मनकामेश्वर मंडल के भाजपा कार्यकताओं ने बधाई दी।मंडल मीडिया प्रभारी दीपक पाण्डेय ने लालापुर चौराहे पर पटाखे फोड़ कर जीत का जश्न मनाया।इस दौरान शक्ति केंद्र संयोजक मनोज त्रिपाठी, बूथ अध्यक्ष दीपचंद्र शुक्ला आशीष मिश्रा, गोलू पाण्डेय, रिंकू पाण्डेय, सहित कई कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

भाजपा उम्मीदवार की जीत पर 10 लाख का सट्टा लगाया, हारता देख युवक ने खाया जहर ,मौत

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। यूपी विधानसभा चुनाव में जीत-हार के लिए उम्मीदवार ही नहीं उनके समर्थक भी कई दिन से बेचैन थे। आलम यह है कि वे जीत-हार के लिए इस कदर व्याकुल रहे कि हर पल जानकारी लेते रहे कि मतों की गिनती में कौन आगे है और कौन पीछे। सट्टा बाजार में जीत-हार पर सट्टेबाजी और शर्त भी लगती रही। अब खबर आई है कि कौशांबी में चायल से भाजपा अपना दल (एस) गठबंधन के प्रत्याशी की जीत पर 10 लाख का सट्टा लगाने वाले एक युवक ने समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार पूजा पाल को गिनती में आगे देखा तो दुखी होकर जहर निगल लिया। उसे निजी हास्पिटल ले जाया गया जहां से प्रयागराज में एसआरएन भेजा गया लेकिन उसकी जान नहीं बची। इस घटना से परिवार के लोग मातम में डूबे हैं तो इस बारे में जानकर हर कोई चकित है। चुनावी जीत हार पर किसी दल का कोई समर्थक ऐसा भी कर सकता है, यह लोगों के लिए चौंकाने वाली घटना है।

उम्मीद थी जीत की, हारता देख हो गया निराश

कौशांबी में पिपरी क्षेत्र के मखऊ पुर गांव निवासी कारोबारी राकेश केसरवानी के 26 साल के पुत्र मनु केसरवानी इलाके में बीज भंडार की दुकान में नौकरी करता था। गांव वालों और परिवार का कहना है कि मनु ने चुनाव में जीत हार के लिए शर्त लगाई थी। परिवार के लोगों को ग्रामीणों से पता चला कि मनु ने भाजपा गठबंधन के नागेंद्र सिंह पटेल की जीत पर 10 लाख रुपये का सट्टा लगाया था। शाम को आखिरी चरणों में भी उसने सपा की पूजा पाल को मतों की गिनती में आगे देखा तो इस कदर दुखी और निराश हो गया कि उसने जहर निगल लिया। उसकी हालत बिगड़ी तो घरवाले तिल्हापुर मोड़ स्थित निजी अस्पताल ले गए जहां से एसआरएन अस्पताल भेजा गया लेकिन उसकी जान नहीं बची। इस मामले में चायल चौकी इंचार्ज आलोक कुमार का कहना है कि घटना की जानकारी मिली है। इसकी तहरीर मिलने के बाद कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

रास्ते के विवाद के लेकर चटकी लाठियां...

सोरांव। बड़गांव चौकी क्षेत्र के सेखपुर सठवा गांव में गुरुवार को रास्ते को लेकर दो पक्षों में विवाद हो गया। जिसमे विपक्षियों ने जमकर तांडव किए। इतना ही नही घर पर लगे छप्पर को भी आग लगा दिए। जिसमे बांधे गए जानवर भी गर्मी से परेशान हो गए। लोगों की मदद से जानवरों को बाहर निकाला गया। पीड़ित फूलचंद्र का कहना है कि मैं घर पर था। रास्ते को लेकर पुरानी रंजिश के तहत गांव के रामनरेश,विजय कुमार,अजय कुमार नरेंद्र कुमार व आशा देवी ने मेरे घर पर लाठी,डंडे, व सरिया लेकर चढ़ आए। तथा गंदी-गंदी गाली देने लगे। जब मैने इसका विरोध किया तो विपक्षियों ने एक राय होकर मेरी चहर दीवारी को तोड़ दिए। और लाठी-डंडे और सरिया से मारने लगे। जिसमे नेहा सरोज,स्नेहा सरोज,सुषमा को गंभीर चोटें आई है। पीड़ित ने थाने के तहरीर देकर न्याय की गुहार लगाई है।

इलाहाबाद हाईकोर्ट के अधिवक्ताओं में खुशी

अखंड भारत संदेश

भाजपा की जीत पर जश्न का माहौल...

प्रयागराज। इलाहाबाद हाई कोर्ट के अधिवक्ताओं ने प्रदेश में एक बार फिर भाजपा सरकार बनने में खुशी मनाई। एक-दूसरे को बधाई दी और मिठाई बांटी। राष्ट्रवादी सोच की सरकार बनाने के लिए उत्तर प्रदेश की जनता को नमन करते हुए आभार भी जताया गया।अधिवक्ता परिषद के प्रदेश महामंत्री शीतल प्रसाद गौड़ ने सबका साथ, सबका विकास एवं सबका विश्वास के साथ पंडित दीन दयाल उपाध्याय की अंत्योदय की योजना एवं समाज के निचले स्तर पर जीवन यापन करने वाले नागरिकों के उत्थान को समर्पित योगी की सरकार को फिर से बनाने पर प्रदेश की जनता का आभार जताया है।अपर महाधिवक्ता महेश चंद्र चतुर्वेदी, मुख्य स्थायी अधिवक्ता सौरभ श्रीवास्तव ने राष्ट्रोदय अभियान से जुड़े अधिवक्ताओं का उनके अथक परिश्रम के लिए आभार जताया। अंबेडकर भवन में हुई बैठक में विभाग शारीरिक प्रमुख अवधेश चंद्र श्रीवास्तव, काशी क्षेत्र प्रबुद्ध प्रकोष्ठ के सह-संयोजक ब्रज किशोर तिवारी, जूनियर लायर्स एसोसिएशन, उप्र के महासचिव जीपी सिंह, राजेश खरे, मनीष द्विवेदी, गिरजेश त्रिपाठी, पवन श्रीवास्तव, प्रशांत सिंह सोम, विजय पुरी, यशोदानंद शुक्ल, रवि प्रकाश श्रीवास्तव, राजीव राय जी, मयंक तिवारी एचएल पांडेय, करुणाकर सिंह, मनोज मिश्र, राजेश त्रिपाठी, अंकित गौड़ आदि प्रमुख अधिवक्ता मौजूद रहे।प्रयागराज अधिवक्ता संघ अध्यक्ष एनके चटर्जी, आदर्श अधिवक्ता संघ अध्यक्ष शरद चंद्र मिश्र, रमेश शुक्ला, अधिवक्ता समन्वय समिति के महासचिव देवेंद्र प्रताप सिंह, बीजेपी राज्य कार्यकारिणी सदस्य मृत्युंजय तिवारी, पूर्व शासकीय अधिवक्ता अरुण कुमार मिश्र, यंग लायर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष संतोष कुमार त्रिपाठी, उपाध्यक्ष बीडी पांडेय, महासचिव जेबी सिंह, देवेंद्र मणि त्रिपाठी, हरवंश सिंह, महेंद्र बहादुर सिंह, शेषमणि मिश्र आदि अधिवक्ता संगठनों व अधिवक्ताओं ने राष्ट्रवादी सरकार चुनने के लिए जनता का आभार व्यक्त किया है।

जीत के जश्न में अबीर गुलाल खेले अधिवक्ता

प्रयागराज की 12 विधानसभा का परिणाम

प्रत्याशी का नाम विधान सभा

शहर पश्चिमी
विजेता- सिद्धार्थ नाथ सिंह भजपा- 118759
पराजित- ऋचा सिंह सपा- 88825

शहर दक्षिणी
विजेता- नंदगोपाल गुप्ता नंदी बीजेपी 97864
पराजित- रईस शुक्ला सपा 71682

शहर उत्तरी
विजेता- हर्षवर्धन बाजपेयी भाजपा- 96890
पराजित- संदीप यादव सपा 42007

करछना
विजेता- पीयूष रंजन निषाद भाजपा- 89331
पराजित- उज्ज्वल रमण सपा- 79753

फाफामऊ
विजेता- गुरु प्रसाद मौर्य भाजपा- 90364
पराजित- अंसार अहमद सपा- 76272

बारा
विजेता- वाचस्पति भाजपा-89003
पराजित- अजय कुमार सपा- 76210

प्रत्याशी का नाम विधान सभा

फूलपुर
विजेता- प्रवीण पटेल 102625 वोट पाकर जीते। भाजपा
पराजित- सपा प्रत्याशी मुज्तबा सिद्दीकी 99465

सोरांव विधानसभा
विजेता- गीता पासी सपा 89792 जीती
पराजित- जमुना प्रसाद सरोज अपना दल एस 84659

मेजा
विजेता- संदीप पटेल सपा- 77164
पराजित- नीलम करवरिया भाजपा- 74869

प्रतापपुर
विजेता- विजमा यादव सपा- 90582
पराजित- राकेश धर त्रिपाठी अपनादल- 80009

कोरांव
विजेता- राजमणि कोल भाजपा- 84418
पराजित- राम कृपाल सपा- 59697

हंडिया
विजेता-हाकिम लाल बिंद सपा- 83348
पराजित- प्रशांत सिंह निषाद पार्टी- 80026

ब्राह्मणों और ओबीसी वोटरों ने पलटा समीकरण, नीलम की हार ने सभी को चौंकाया

अखंड भारत संदेश

प्रयागराज। ब्राह्मणों और ओबीसी वोटरों ने मेजा विधानसभा क्षेत्र का समीकरण ही पलट दिया। मेजा से भाजपा प्रत्याशी नीलम कवरिया की अप्रत्याशित हार और सपा प्रत्याशी संदीप सिंह पटेल की जीत के पीछे यही वजह मानी जारी है, वरना चुनाव से पहले जानकार तो यही अनुमान लगा रहे थे कि लगातार दूसरी बार यह सीट करवरिया परिवार के पास ही रहेगी। ऐसे में चुनाव के दौरान उनकी पत्नी नीलम करवरिया को अकेले मोर्चा संभालना पड़ा। चुनाव से पहले अचानक चचाओं ने जोर पकड़ा कि नीलम करवरिया को रेवती रमण सिंह का मौन समर्थन मिल गया है और भूमिहारों एवं ठाकुरों के वोटों का उन्हें फायदा मिल सकता है। यह खबर सामने आते ही भाजपा और सपा के बीच बंटे ओबीसी वोटर एकजुट होने लगे। ओबीसी वोटरों की एकजुटता भाजपा पर भारी पड़ गई और फायदा सपा को मिला।

बसपा प्रत्याशी ने की वोटों की सेंधमारी

तीसरे नंबर पर रहे बसपा से ब्राह्मण प्रत्याशी सर्वेश चंद्र तिवारी ने भी भाजपा के वोटों में सेंधमारी की। सर्वेश को कैडर वोट तो मिले ही, स्थानीय ब्राह्मणों का भी समर्थन मिला और इसका फायदा भी सपा को मिला। नतीजे सामने आने के बाद यह चर्चा भी शुरू हो गई है कि नीलम करवरिया की क्षेत्र के पुराने ब्राह्मणों से संवाद की कमी भी उन्हें भारी पड़ी है। पुराने एवं प्रभावी ब्राह्मण परिवारों ने खुद को उनके चुनाव प्रचार से दूर रखा। जानकारों का मानना है कि अगर उदयभान करवरिया जेल में न होते तो समीकरण कुछ और होता।

जीत-हार का अंतर 3295

किसे कितने वोट मिले-

संदीप सिंह (सपा) - 78164
नीलम करवरिया (भाजपा) - 74869सर्वेश चंद्र तिवारी (बसपा) - 22839
शालिनी द्विवेदी (कांग्रेस) - 1547अन्य प्रत्याशियों को मिले वोट- अवधेश कुमार को 734, दयाशंकर को 1059, धीरेंद्र प्रताप को 199, प्रवीन कुमार को 358, बबलू कुमार को 872, रामकुमार मिश्र को 342, रामपाल को 757, विवेकानंद को 824, श्रीकांत को 883, हैदर अब्बास को 539 वोट मिले।

हंडिया से सपा प्रत्याशी हाकिम लाल बिंद जीते

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में जनपद प्रयागराज की हंडिया विधानसभा से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी हाकिम लाल बिंद जीत का परचम लहराया है। हाकिम लाल बिंदु को कुल 83348 वोट मिले।हाकिम लाल बिंद लगातार दूसरी बार विधानसभा चुनाव में जीत हासिल की। हकीम लाल बिंद पहली बार विस 2017 में चुनावी मैदान में बसपा के प्रत्याशी के रूप में उतरे थे।वहीं विस चुनाव 2022 में दूसरी बार चुनावी मैदान में उतरे। इस बार वह समाजवादी पार्टी के प्रत्याशी के रूप में हंडिया विधानसभा सीट से ही इस बार भी चुनावी दांव लगाया और 3322 वोट के मार्जिन से जीत हासिल की। जबकि बीजेपी की समर्थित निषाद पार्टी के प्रत्याशी पूर्व विधायक प्रशांत सिंह राहुल को 80026 वोट मिले ।इसी के साथ वह दूसरे नंबर रहे। बहुजन समाज पार्टी 33672 मत के साथ तीसरे नंबर के पार्टी बनी। जबकि पिछले विधानसभा चुनाव में बसपा पहले नंबर पर थी। वहीं कांग्रेस प्रत्याशी रीना कुमारी बिंद को 1428 मत मिला। और आम आदमी पार्टी के प्रत्याशी पवन तिवारी हो 1344 वोट मिला।

राजा भइया व प्रमोद तिवारी का दबदबा कायम, मंत्री मोती सिंह हारे

भाजपा गठबंधन ने दो, जनसत्ता दल ने दो, सपा व कांग्रेस को मिली एक सीट

राजा भइया।

प्रमोद तिवारी।

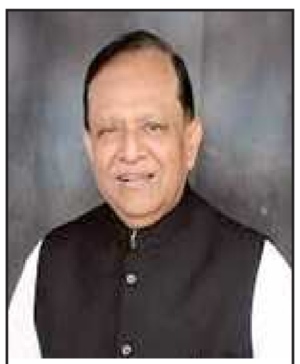
मोती सिंह।

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। प्रदेश सरकार के पूर्व मंत्री तथा जनसत्ता दल के अध्यक्ष रघुराज प्रताप सिंह उर्फ राजा भइया तथा कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रमोद तिवारी ने अपने-अपने क्षेत्रों में अपने प्रत्याशियों को जिताकर अपना दबदबा जहां कायम रखा है, वहीं भारतीय जनता पार्टी ने पट्टी से मंत्री मोती सिंह की सीट गंवा दी है। इससे भाजपा को झटका लगा है।

इसके अलावा भारतीय जनता पार्टी ने विश्वनाथगंज व सदर सीट जीत ली है। सदर क्षेत्र की सपा अपना कमेरावादी दल की प्रत्याशी कृष्णा पटेल चुनाव हार गई हैं। यहां से भाजपा प्रत्याशी राजेन्द्र मौर्य 26157 मतों से विजयी हुए हैं। इसी प्रकार विश्वनाथगंज सीट से भाजपा अपना दल एस गठबंधन के प्रत्याशी जीत लाल ने इस क्षेत्र में सपा के टिकट को लेकर हुए झगड़े का पूरा फायदा उठाते हुए चुनाव जीत लिया है और सपा प्रत्याशी सौरभ सिंह और सपा के बागी प्रत्याशी संजय पाण्डेय को बुरी तरह से पराजित किया है। सबसे करारी हार पट्टी में भाजपा की हुई है, जहां भाजपा के कद्दावर नेता तथा प्रदेश सरकार के मंत्री मोती सिंह को उनके पुराने प्रतिद्वन्दी सपा प्रत्याशी राम सिंह ने 14 हजार मतों से करारी मात दी है। रानीगंज क्षेत्र में भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा तथा सपा प्रत्याशी आरके वर्मा के बीच कांटे की टक्कर अंत तक होती रही। प्रारंभ में भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा आगे चल रहे थे लेकिन 22वें राउण्ड में एक बार जब सपा प्रत्याशी आरके वर्मा 448 मतों से आगे हो गये। इसी बीच दोनों दलों के समर्थकों में कुछ कहासुनी होने पर मारपीट की नौबत आ गई लेकिन बीच-बचाव से मामला शांत हुआ। बाद में भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा ने री-काउंटिंग की मांग की गई जिसके आधार पर री-काउंटिंग शुरू हुई। आज सबसे पहला रिजल्ट बाबागंज का आया जिसमें जनसत्ता दल के प्रत्याशी विनोद सरोज 15241 मतों से विजयी घोषित किये गये। कुण्डा विधायक एवं पूर्व मंत्री राजा भइया लगभग 40 हजार मतों से जीत हासिल की है। उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी सपा के गुलशन यादव को पराजित किया है। रामपुर खास से कांग्रेस प्रत्याशी आराधना मिश्र मोना ने हैट्रिक लगाते हुए तीसरी बार लगभग 25 हजार मतों से विजयी श्री प्राप्त किया है। उन्होंने भाजपा प्रत्याशी नागेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार को शिकस्त दी है। इस तरह शाम छह बजे तक जिले के सात में से छह सीटों के परिणाम घोषित हो चुके थे लेकिन रानीगंज का समाचार नहीं मिल सका था।

सुरक्षा व्यवस्था के मद्देनजर पुलिस और पीएसी ने किया फ्लैग मार्च

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। गुरुवार को 2022 विधानसभा चुनाव के मतगणना के दिन उपद्रवियो से निपटने के लिए तथा लोगों से सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त बनाने के लिए पट्टी कोतवाली पुलिस तथा पीएसी के जवानों ने पट्टी के चैराहों तथा सार्वजनिक स्थलों पर फ्लैग मार्च किया किसी भी प्रकार की दिक्कत ना हो इसके लिए या फ्लैग मार्च किया गया। वहीं प्रशासन ने भी मतगणना के दिन उत्साह में कार्यकताओं को रोकने के लिए किसी भी उपद्रव से बचाने के लिए पूरी मुस्तैदी के साथ कमर कस लिया था पट्टी नगर में ढकवा मोड़ उड़ैयाडीह मोड़ पट्टी चैक चमन चैक रायपुर रोड सहित विभिन्न स्थानों पर के पीएसी के जवानों तथा पुलिसकर्मियों ने संयुक्त फ्लैग मार्च नंदलाल सिंह से बात करने पर उन्होंने बताया कि फ्लैग मार्च का मुख्य उद्देश्य लोगों की सुरक्षा व्यवस्था को दुरुस्त रखना है।

जिले में 30 अप्रैल तक निषेधाज्ञा लागू

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। अपर जिला मजिस्ट्रेट मुकेश चन्द्र ने बताया है कि जनपद में 17 मार्च को होलिका दहन, 18 मार्च को होली, 03 अप्रैल से पवित्र रमजान के शुभारम्भ, 10 अप्रैल को रामनवमी, 15 अप्रैल को गुड फ्राइडे व 29 अप्रैल को अन्तिम जुमा (अलविदा की नमाज) सम्पन्न होने है। इसी दौरान उ0प्र0 माध्यमिक शिक्षा परिषद द्वारा संचालित हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षायें भी आयोजित होगी। त्योहारों/आयोजनों व हाईस्कूल एवं इण्टरमीडिएट की परीक्षाओं को सकुशल, निष्पक्ष, पारदर्शी ढंग से सम्पन्न कराये जाने हेतु अपर जिला मजिस्टेªट ने जनपद प्रतापगढ़ के सम्पूर्ण क्षेत्र में 30 अप्रैल तक दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा-144 के अन्तर्गत निषेधाज्ञा लागू कर दी है। उन्होने बताया है कि एक स्थान पर 5 या 5 से अधिक व्यक्तियों का विधि विरूद्ध जमाव प्रतिबन्धित किया जाता है। त्योहारों के पावन पर्व पर कोई नई परम्परा नही कायम की जायेगी। लाउडस्पीकर का प्रयोग रात्रि 10 बजे से प्रातः 6 बजे तक किसी भी प्रकार से नही किया जायेगा। किसी भी सार्वजनिक, धार्मिक स्थल पर कोई ऐसी जनसभा, रैली या जुलूस का आयोजन नहीं किया जायेगा और न ही किसी प्रकार की अफवाह फैलायी जायेगी। कोई भी व्यक्ति या दल/अभ्यर्थी, अन्य राजनैतिक दलों के अभ्यर्थियों के बारे में कोई ऐसी आलोचना नही करेगा जिसकी सत्यता स्थापित न हुई हो या तोड़-मरोड़ कर कही गयी बातों पर आधारित हो एवं जातीय या साम्प्रदायिक भावनाओं की दुहाई नही देगा।

शहर में यातायात रुकने से लोगों को हुई परेशानी

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। मतगणना शहर से बाहर चिलबिला-पट्टी मार्ग पर महुली मण्डी में हो रही थी लेकिन पुलिस भुपियामऊ और कटरा से ई रिक्शा शहर नहीं आने दे रही थी। इसके अलावा शहर में भी ई रिक्शा वालों को रोका जा रहा था। स्कूल कालेज खुले थे, इसलिये बच्चों को ले आ रहे स्कूली वाहनों को पुलिस ने कई जगह रोका। इसके अलावा जो शिक्षक-शिक्षिकाएं रानीगंज से या विश्वनाथगंज से आते हैं, वह आज नहीं आ सके, इसलिये कुछ स्कूल और कोचिंग क्लासेस मजबूरन में आज बंद कर दिये गये। पता चला है कि मतगणना स्थल पर भीड़ रोकने के लिये पुलिस ने यह कड़ी व्यवस्था की थी लेकिन भीड़ को सई पुल के आगे रोका जा सकता था न कि शहर में भंगवा चुंगी, भुपियामऊ व कटरा में रोका जाना चाहिये था। इससे लोगों को आवागमन में बहुत परेशानी हुई। जो लोग जरुरी काम से शहर आना चाहते थे, वह आज आ नहीं सके। इस दौरान चैक घंटाघर के आसपास की दुकानें भी बंद रहीं।

पुनर्मतगणना में कांटे की टक्कर में 1122 मतों से जीते डॉ आर के वर्मा

अखंड भारत संदेश

डा0 आरके वर्मा।

प्रतापगढ़। रानीगंज विधान सभा क्षेत्र में सबसे बाद तक दुबारा मतगणना होती रही, जिससे लोगों में परिणाम जानने की उत्सुकता बनी रही। बता दें कि आज सुबह से शुरू हुई मतगणना में 21वें राउण्ड तक भाजपा प्रत्याशी धीरज ओझा आगे चल रहे थे लेकिन जैसे 22वें राउण्ड में सपा प्रत्याशी डा0 आरके वर्मा 448 मतों से आगे हुए, वैसे ही कार्यकर्ता आपस में भिड़ने लगे। यह मामला समझा-बुझाकर शांत किया, फिर मतगणना आगे बढ़ी। 23वें राउण्ड पर धीरज ओझा 81 मतों से आगे हो गये थे। पता चला है कि बाद में फिर धीरज ओझा कुछ पीछे हो गये थे जिसको लेकर पुनर्मतगणना की मांग की गई। इस दौरान कुछ देर मतगणना रुकी रही। देर शाम मतगणना का रिजल्ट आया तो कांटे की टक्कर में डॉक्टर आर के वर्मा जीत गये। डॉ आर के वर्मा को 69993 वोट तथा धीरज ओझा को 68871 मत मिले।

दिव्यांग और बुजुर्ग यात्रियों के लिए स्टेशन पर बनेगा रैंप

स्टेशन अधीक्षक की तरफ से अधिकारियों को भेजा गया प्रस्ताव

प्रतापगढ़। सीढ़ियों के रास्ते से स्थानीय रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म की दूरी तय करने में यात्रियों को अब दिक्कत नहीं आयेगी। उनकी सुविधा के लिए स्टेशन पर रैम्प जो बनने जा रहा है। रैम्प बनाने को लेकर स्टेशन अधीक्षक की ओर से पहल की गई है। उनकी तरफ से इस आशय का पत्र उच्च अधिकारियों को भेजा गया है। अगर पत्र पर अमल हुआ तो शीघ्र ही तीन नये रैम्प का निर्माण होगा। इसके लिए यहां के जनप्रतिनिधियों को भी आगे आना होगा। तभी ठोस पहल हो पायेगी।

स्टेशन पर आने के बाद दिव्यांग, बुजुर्ग यात्रियों को प्लेटफार्म पर जाने के लिए पुल की सीढ़ियों का सहारा लेना पड़ रहा है, जिसमें उन्हें काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। रेलवे के मालवाहक कर्मचारियों को भी इस समस्या से जूझना पड़ रहा है। एक से दो,तीन प्लेटफार्म पर जाने और आने के लिए लोगों को रेलवे लाइन पार करनी पड़ती है, जिसमें जान का जोखिम है। रेलवे ने जो पुल बनवाये उसमें चलने फिरने में असहाय, पार्सल मजदूरों का ध्यान नहीं रखा गया है। यात्रियों का कहना है कि पुल बनाते समय सीढ़ियों के साथ साथ साइड में रैम्प बनाने पर ध्यान नहीं दिया गया। अगर ऐसा होता तो अन्य स्टेशनों की भांति यहां के यात्रियों को पुल पर चढ़ने में आसानी हो जाती। खैर, अब एसएस की पहल क्या रंग लाती है इस पर देखना खास होगा।

मोना ने बनाई हैट्रिक तो कांग्रेस की बची साख

पूरे प्रदेश में कांग्रेस की हवा खराब होने के बावजूद रामपुर खास में लहराया कांग्रेस का परचम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। कांग्रेस का गढ़ कहा जाने वाला रामपुर खास से नौ बार प्रमोद तिवारी विधायक बने थे और इस बार उनकी बेटी आराधना मिश्र मोना ने फिर चुनाव जीतकर न केवल अपनी हैट्रिक बनाई है, बल्कि प्रदेश के विपरीत हवा के बीच अपने क्षेत्र की साख बचा ली है।

बता दें कि भाजपा ने रामपुर खास प्रत्याशी नागेन्द्र प्रताप सिंह उर्फ छोटे सरकार को विजयी बनाने के लिये एड़ी चोटी का जोर लगा दिया था। इस क्षेत्र में केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह भी आए थे। भाजपा यहां कांटे का संघर्ष का मुकाबला मान रही थी लेकिन कांग्रेस के दिग्गज नेता प्रमोद तिवारी की सूझबूझ व अपने क्षेत्र के व्यापक प्रभाव के चलते इस बार भी भाजपा की दाल यहां नहीं गल पाई। कांग्रेस के बड़े नेता का लाभ उठाते हुए यहां पर समाजवादी पार्टी ने अपना प्रत्याशी नहीं उतारा था। इसका भी पूरा लाभ कांग्रेस को मिला। पूरे लालगंज क्षेत्र में मोना के जीतने पर समर्थक जश्न मना रहे हैं।

विजयश्री मिलने के बाद मण्डी समिति से निकलतीं रामपुर खास की विधायक मोना।

राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन कल

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव नीरज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि उ0प्र0 राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निदेर्शानुसार एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण संजय शंकर पाण्डेय के आदेशानुसार 12 मार्च 2022 दिन शनिवार को प्रातः 10 बजे से जनपद मुख्यालय के साथ ही साथ समस्त तहसील मुख्यालयों पर राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया है। इस राष्ट्रीय लोक अदालत में विशेष रूप से आपराधिक शमनीय वाद, धारा 138 पराक्रम्य लिखित अधिनियम वाद, बैंक वसूली वाद, मोटर दुर्घटना प्रतिकर याचिकायें, पारिवारिक वाद, श्रम वाद, भूमि अधिग्रहण वाद, विद्युत एवं जल बिल विवाद (चोरी से सम्बन्धित विवादों सहित), सर्विस में वेतन सम्बन्धित विवाद एवं सेवानिवृत्ति लाभों से सम्बन्धित विवाद, राजस्व वाद, अन्य सिविल वाद (किराया, सुखाधिकार, व्ययादेश, विशिष्ट अनुतोष वाद), आपसी सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित हो सकने वाले समस्त प्रकार के वादों का निस्तारण किया जायेगा। वादकारी अपने सम्बन्धित न्यायालय में सम्पर्क कर अपने वादों को राष्ट्रीय लोक अदालत हेतु सन्दर्भित कराकर लोक अदालत का लाभ उठाएं।

हर्षोल्लास के साथ संम्पन्न हुआ राष्ट्रीय सेवा योजना का कार्यक्रम

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। हेमवतीनंदन बहुगुणा पीजी कालेज का सप्तम दिवसीय कार्यक्रम बड़े धूमधाम से सम्पन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरूआत मां सरस्वती के बंदना के साथ सम्पन्न हुआ। अध्यक्षता करते हुए मुख्य अतिथि डॉ पुरुषोत्तम शुक्ल ने कहा कि स्वयं सेवक देश का प्रहरी होता। आत्म अनुशासन सबको आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। अध्यक्षता डॉ राम शिरोमणि तिवारी पूर्व बउव अमेठी ने किया। विशिष्ट अतिथि डॉ वीरेंद्र मिश्र ने सभी शिविरार्थी को अंतर्मन से आशीर्वाद दिया। प्राचार्य डॉ शैलेन्द्र मिश्र ने सभी अतिथियों का स्वागत करते हुए अपने शिविरार्थियों का आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रमाधिकारी डॉ फणीन्द्र नारायण मिश्र ने छह आख्या प्रस्तुत की। आभार डॉ सीमा त्रिपाठी ने सभी के प्रति ज्ञापित किया। संचालन डॉ वाचस्पति मिश्र ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विद्वान प्राध्यापक एवं समाज के गणमान्य लोग मौजूद रहे।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम में मौजूद अतिथिगण।

नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना ही क्लब का उद्देश्यः डा0 पीयूषकांत

समाज को नई दिशा दे रही नारी शक्तियों को किया गया सम्मानित

अखंड भारत संदेश

प्रतापगढ़। लायंस क्लब प्रतापगढ़ शक्ति ने विभिन्न क्षेत्र में समाज को नई दिशा दे रही नारी शक्तियों को सम्मानित किया। इस अवसर पर लायंस क्लब प्रतापगढ़ शक्ति की अध्यक्ष गीता मिश्रा ने कहा निश्चित रूप से इस समय नारी शक्ति के लिए कोई भी कार्य क्षेत्र अछूता नहीं रहा। आज नारी रिक्शा से राकेट तक चला रही हैं और सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कर रही हैं, परंतु इस प्रगति में पुरुषों को अनदेखा नहीं किया जा सकता जो हमारे पिता पति भाई बेटे या दोस्त के रूप में हर कदम पर सहयोग में तत्पर रहते हैं।

मुख्य अतिथि लायंस क्लब इंटरनेशनल के डिप्टी डिस्ट्रिक्ट गवर्नर डॉ पीयूष कांत शर्मा ने कहा कि लायंस क्लब वह प्लेटफार्म है जिससे जुड़कर आप स्थानीय से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर पहचान बना सकते हैं। विशिष्ट अतिथि रीजन चेयरपरसन लायन पुष्पांजलि शुक्ला ने कहा कि नारी शक्ति को आत्मनिर्भर बनाना हमारे क्लब का उद्देश्य है। क्लब की प्रशासक लक्ष्मी मिश्रा ने कहा कि हम नारी शक्तियों का सम्मान कर रहे हैं जिससे दूसरे लोग इनसे प्रेरणा ले सकें। क्लब की कोषाध्यक्ष प्रमिला शुक्ला ने सभी सम्मानित होने वाली महिलाओं का परिचय देते हुए कहा कि आज सम्मानित होने वाली रश्मि वर्मा ने पुरुष आधिपत्य वाले क्षेत्र में कैरियर बना कर दूसरे लोगों को भी प्रेरणा दी है। इसी प्रकार पुष्पांजलि शुक्ला सेवा व व्यवसाय अवंतिका पांडे चिकित्सा रुचि केशरवानी समाज सेवा और राजनीति उषा श्रीवास्तव शिक्षा कुसुम गुप्ता पिंकी दयाल को समाज सेवा में कार्य करने के लिए सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन सचिव अनीता पांडे व आभार प्रदर्शन प्रतिभा भगवन ने किया इस अवसर पर मीना पुष्पाकर, सारिका श्रीवास्तव, सतनाम कौर, विभा सिंह, रीता श्रीवास्तव आदि सदस्य उपस्थित रहे।

लायंस क्लब द्वारा सम्मानित महिलाएं।

जबरन सरसों का तेल ले जाने का आरोप

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर अठगँवा गांव में आरोपियों द्वारा जबरन सरसो की फसल काट कर ले जाने का आरोप एक महिला ने लगाया है उसने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

पट्टी कोतवाली क्षेत्र के शेखपुर अथगंवा गांव की रहने वाली मीता देवी पत्नी लाल बहादुर गुरुवार को पट्टी कोतवाली पहुंची प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया कि गांव के रहने वाला एक दबंग किस्म का व्यक्ति है जो उसकी जमीन से उसने जबरन सरसों की फसल काट लिया महिला ने मना करना चाहा तो उसे बुरा भला कहा पीड़ित महिला ने बताया कि उक्त जमीन का न्यायालय में वाद चल रहा है अवैध कब्जा करने के लिए आरोपी का हमेशा ताक में रहता हैं इसी चक्कर में गुरुवार को जमीन पर अवैध कब्जा करने के लिए आरोपी वहां पहुंचा और उसने जबरन सरसों का फसल काट लिया। पीड़ित महिला ने पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपियों के विरुद्ध विधिक कार्रवाई करने की मांग की है तथा अपनी जान माल की सुरक्षा की गुहार लगाई है।

शिकायती पत्र के साथ मीता देवी

जमीनी विवाद में युवक को जमकर पीटा, गला दबाकर मारने का आरोप

पट्टी, प्रतापगढ़। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के लबेदा गांव में जमीनी रंजिश को लेकर एक आरोपी ने पीड़ित को जमकर मारा पीटा और एलानिया धमकी देते हुए जान से मारने की धमकी दी पीड़ित ने इस संबंध में पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर आरोपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

बाप ने बेटे बहू को घर से भगाया, बेटे ने थाने में दी तहरीर

अखंड भारत संदेश

पट्टी, प्रतापगढ़। बाप ने अपने बेटे और बहू को घर से बाहर निकाल दिया। बाप के उत्पीड़न से परेशान होकर बेटी ने अपने पिता के खिलाफ पट्टी कोतवाली में तहरीर देकर इंसाफ की गुहार लगाई है। पट्टी कोतवाली क्षेत्र के उड़ैयाडीह गांव के रहने वाले सोनू पुत्र रामसमुझ ने पट्टी कोतवाली में प्रार्थना पत्र देकर बताया कि उसकी पत्नी गर्भवती है उसका पिता घर में हमेशा झगड़ा करता रहता है और उसकी पत्नी को और घरवालों को परेशान करता है। दो दिन पहले उसने उसे और उसकी पत्नी को चोरी का आरोप लगाकर मारपीट कर घर से भगा दिया बेटे ने यह भी आरोप लगाया कि वह उसकी औरत से दहेज की भी मांग करता है पीड़ित मेहनत मजदूरी करके अपना जीवन यापन करता है। उसकी पिटाई से उसे और उसकी पत्नी को काफी गंभीर चोट आई है पीड़ित ने तहरीर देकर मामले में इंसाफ की गुहार लगाई है।

जलनिकासी अवरुद्ध, सड़क बनी तालाब

अखंड भारत संदेश

जेठवारा, प्रतापगढ़। जलनिकासी अवरुद्ध होने के चलते जेठवारा लालगोपालगंज मार्ग पर प्रायः ही करीब सौ मीटर सड़क तालाब बनी रहा करती है। जलजमाव के कारण सड़क पर बड़े बड़े गडढे बन गए है जो पानी मे छुप कर दुर्घटना को दावत देते नजर आ रहे है। मार्ग की हालत इस कदर हो चली है कि जहाँ पैदल चलना तो दुश्वार हो गया है वही बाइक व छोटे वाहन गड्ढे के कारण अनियंत्रित हो जाया करते पर जिम्मेदारों की नजर इस ओर नही जा पा रही है जिससे राहगीरों में आक्रोश बना हुआ है। बता दें कि जेठवारा लालगोपालगंज मार्ग पर बनी जलनिकासी की पुलिया एक अरसे से अवरुद्ध है जिसके कारण मुख्य सड़क पर प्रायः ही पानी भरा रहा करता है जिसके कारण इस मार्ग पर पैदल गुजरना तो सम्भव ही नही है बाइक से गुजरने वाले लोग पानी मे छिपे गड्ढे के कारण गन्दे पानी से सरावोर होकर चोटिल हो जाया करते है बाजार में तमाम घरों से निकलने वाला गन्दा पानी भी इसी सड़क पर आया करता है इतना ही नही बरसात होने की दशा में बगल के बिजली उपकेंद्र भी जल जमाव का शिकार हो जाया करता है जिसके कारण आये दिन आपूर्ति भी बाधित हो जाया करती है। इसके बावजूद भी जिम्मेदार उदासीन बने हुए हैं। सड़कों पर भरा पानी लोगो की परेशानी का सबब बना हुआ है और वे प्रशासन से जलनिकासी खोलवाने की अपेक्षा कर रहे है, पर जिम्मेदारों की मनमानी लोगो मे गुस्सा बना रही है।

नशीला पदार्थ खिलाकर बैनामा कराने की आरोपियों ने की कोशिश

पट्टी, प्रतापगढ़। एक व्यक्ति को नशीला पदार्थ खिलाकर आरोपियों ने रजिस्टार ऑफिस में बैनामा कराने की कोशिश की लेकिन पीड़ित के भाई के पहुंच जाने से आरोपीगढ़ अपने मंसूबे में कामयाब नहीं हो सके होश आने पर पीड़ित आरोपियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है।

मंझनपुर चायल विधानसभा में सपा प्रत्याशी जीते

सिराथू विधानसभा का नही घोषित हुआ परिणाम, जिले के तीनों सीटों पर भाजपा का सूपड़ा होता दिख रहा साफ

मंडी समिति के बाहर खड़े कार्यकर्ता

मतगणना स्थल पर उपस्थित सपा प्रत्याशी व अन्य

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। विधानसभा चुनाव 2022 में चायल सिराथू मंझनपुर से भजपा का सूपड़ा साफ होता दिख रहा है मंझनपुर (सुरक्षित) विधानसभा से भाजपा विधायक लाल बहादुर को करारी हार का सामना करना पड़ा है जनता ने भाजपा विधायक लालबहादुर को नकार दिया है मंझनपुर से समाजवादी अपना दल गठबंधन प्रत्याशी इंद्रजीत सरोज 23440 वोट से जीते है सपा प्रत्याशी इंद्रजीत सरोज को 120913 वोट मिले है जबकि बीजेपी प्रत्याशी लाल बहादुर विधायक को 97473 वोट मिले बहुजन समाज प्रत्याशी डॉ नीतू कनौजिया तीसरे स्थान पर रही अन्य प्रत्याशी जमानत नही बचा सके।

चायल विधानसभा सीट से समाजवादी अपना दल कमेरावादी गठबंधन प्रत्याशी पूजा पाल ने अपना दल भाजपा गठबंधन प्रत्याशी नागेंद्र प्रताप सिंह पटेल को भारी मतों से पराजित किया है बहुजन समाज पार्टी के प्रत्यासी अतुल द्विवेदी तीसरे स्थान पर रहे चायल सीट पर अन्य प्रत्याशी जमानत नही बचा सके।

सिराथू विधान सभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी केशव प्रसाद मौर्या डिप्टी सीएम और अपना दल समाजवादी पार्टी गठबंधन प्रत्याशी पल्लवी पटेल के बीच कड़ी टक्कर चल रही है देर रात तक नतीजे नही घोषित हुए है बसपा प्रत्याशी मुंसब अली उस्मानी जमानत नही बचा सके

तीनो विधानसभा सीट पर सपा भाजपा बसपा प्रत्याशी को छोड़ अन्य प्रत्याशी की जमानत जब्त हो गयी है बीते विधानसभा चुनाव में तीनों विधानसभा सीट पर भाजपा प्रत्याशी जीते थे भाजपा अपना वजूद नही बचा सकी भाजपा की हार का जिम्मा किसी ने नही लिया है।

सिराथू विधानसभा सीट पर रोक दी गई मतगणना

कौशांबी। सिराथू विधानसभा सीट पर अचानक शाम 6:00 बजे मतगणना रोक दी गई जिससे समाजवादी पार्टी के कार्यकर्ता पदाधिकारी आक्रोशित हो गए और मतगणना स्थल के बाहर सपा नेता जमकर नारेबाजी करते रहे सपा नेताओं का आरोप है कि समाजवादी अपना दल गठबंधन पार्टी प्रत्याशी डॉक्टर पल्लवी पटेल की बढ़त से बौखलाए प्रशासन नें सिराथू विधानसभा सीट पर मतगणना रोक दी। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य भाजपा प्रत्याशी बनाए गए हैं जो सपा अपना दल गठबंधन प्रत्याशी डॉ पल्लवी पटेल से पीछे चल रहे हैं।

सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी

हंगामा कर रहे सपाइयों पर पुलिस ने भांजी लाठी

कौशांबी। विधानसभा चुनाव में सिराथू विधान सभा से समाजवादी प्रत्याशी पल्लवी पटेल के समर्थन में समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं व पदाधिकारियों ने मतगणना स्थल के बाहर जमकर हंगामा किया है काफी देर तक हंगामा कर रहे लोगों को पुलिस के जवान समझाते रहे लेकिन जब हंगामा करने वाले लोग नहीं माने तो पुलिस ने लाठियां पटकना शुरू कर दिया है लाठी पड़ते ही सपा कार्यकर्ता भागने लगे हैं।

एसपी ने सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों का किया निरीक्षण

कौशाम्बी। पुलिस अधीक्षक द्वारा विधानसभा निवार्चन 2022 की मतगणना स्थल के बैरिकेटिंग यातायात व्यवस्था रुट- डायवर्जन सुरक्षा व्यवस्था में लगे पुलिस कर्मियों का निरीक्षण किया गया और सुरक्षा कर्मियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए।

दो घरों में सेंध काटकर लाखों का समान किया पार

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। सराय अकील थाना अंर्तगत कनैली चौकी क्षेत्र के पन्ना का पूरा गांव में बीती रात चोरों ने सेंध काटकर दो घरो से लाखो का सामना पार कर दिया ग्रामीणों ने इसकी सूचना पुलिस को दी है। जानकारी के मुताबिक मनराखन सिंह पुत्र राम नेवाज अपनी लड़की की शादी की तैयारी के लिए घर गहने मंगल सूत्र टप पायल करधनी मथबिंदी हाथफुल एवम 50 हजार रुपए नगद घर मे एकत्रित किया था बीती रात घर मे सेंध कर पूरा समान उठा ले गए है वही दूसरे घर बलराम सिंह पुत्र दूबरी सिंह के यहां से भी झुमका बाला टप मंगल सूत्र और नगदी समेत लाखो का सामना सेंध काट कर चोरों ने पार कर दिया हैं।

दीवाल में सेंध का दृश्य

अपराध से दहल रहा है क्षेत्र...

कौशाम्बी। ग्रामीणों का कहना है कि इलाकाई पुलिस की लापरवाही के वजह से चोरों के हौसले बुलंद है आए दिन इलाके से भैंस चोरी अवैध खनन रेप जुवा जैसी तमाम घंटनाये होती रहती हैं पुलिस द्वारा इन पर कार्यवाही नही की जाती है।

किशोरी के साथ मनचलों ने किया छेड़खानी

कौशाम्बी। किशोरी के साथ मनचलों ने छेड़खानी किया है किशोरी आटा को चक्की से लेकर घर को वापस आ रही थी तभी कुछ मनचलों ने किशोरी को पीछे से आ कर पकड़ लिया और अश्लील हरकत करने लगा जब किशोरी चिल्लाने लगी तो मनचलों ने किशोरी के बगल में कट्टा सटा दिया है किशोरी ने विरोध किया तो मनचलों ने किशोरी को लात घूसे से मारने पीटने लगे हैं। जानकारी के मुताबिक चरवा थाना क्षेत्र के सैय्यद सरावा गांव की किशोरी उम्र 12 वर्ष आटा चक्की से आटा लेकर घर को वापस जा रही थीं तभी रास्ते में गांव के सुमेरे पासी पुत्र भजन दीपांशु पुत्र बाला ने किशोरी को पीछे से पकड़ लिए और अश्लील हरकत करने लगें दोनो ने आगे सिर लड़ा दिए आरोप है कि बगल में कट्टा सटा दिए तो किशोरी ने विरोध किया तो उक्त दोनों ने किशोरी को घुसो से मारने पीटने लगे किशोरी ने चरवा पुलिस को तहरीर देकर न्याय की गुहार लगायी हैं।

ब्रिटिश पीरियड के सरकारी स्कूल की जमीन पर फिर कब्जा हुआ शुरू

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। मंझनपुर तहसील क्षेत्र के खुर्रम पुर बजहा कटरा गांव में ब्रिटिश पीरियड के सरकारी स्कूल की खाली पड़ी जमीन पर एक वर्षो से अवैध कब्जे का लगातार प्रयास भू माफियाओं द्वारा हो रहा है बार-बार प्रशासन और कब्जा धारक लुका छुपी का खेल खेल रहे है ब्रिटिश पीरियड के सरकारी स्कूल की खाली पड़ी जमीन पर अवैध कब्जा को रोकने का निर्देश पूर्व में योगी सरकार भी दे चुकी है लेकिन तहसील प्रशासन को योगी सरकार के आदेश की धज्जियां उड़ाने में तनिक भी भय नहीं महसूस हो रहा है सोमवार को फिर ब्रिटिश पीरियड के सरकारी स्कूल की सरकारी जमीन पर अवैध कब्जा शुरू हो गया है मामले की शिकायत डीएम कमिश्नर मुख्यमंत्री समेत आला अधिकारियों को ट्वीट के माध्यम से दी गई है लेकिन पूरे दिन बीत जाने के बाद अवैध कब्जा धारकों पर तहसील प्रशासन कारवाही नहीं कर सका है जिससे अवैध कब्जा पूरे दिन चलता रहा यदि चचाओं पर जाए तो लेखपाल ने राजस्व अधिकारियों को साधने के नाम पर कब्जा धारकों से डेढ़ लाख की रकम वसूल कर कब्जा करने की छूट दे दी है अब सवाल उठता है कि कब तक सरकारी भूमि पर कब्जे का लुका छिपी का खेल चलता रहेगा या फिर आला अधिकारी अवैध कब्जे को रोकने और संलिप्त लेखपाल पर कार्यवाही कर भू माफियाओं को कठोर चेतावनी देंगे।

अवैध कब्जा को रोकने का निर्देश पूर्व में योगी सरकार भी दे चुकी है लेकिन तहसील प्रशासन को योगी सरकार के आदेश की धज्जियां उड़ाने में तनिक भी भय नहीं महसूस हो रहा

माफिया का ढाबा बना बीयर बार , जिम्मेदार बने अंजान!

सिराथू तहसील क्षेत्र के ननमई मोड अंदावा के पास संचालित हो रहे माफिया के ढाबे में ग्राहकों को परोसा जाता है शराब शबाब स्थानीय थाना पुलिस सब कुछ जानती है लेकिन चंद टुकड़ों के आगे थाना पुलिस मौन सहमति दे देती है

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। बीते डेढ़ दशक से एक ढाबा ट्रक चालकों और लग्जरी वाहन के रईस जादो को भोजन देने के साथ-साथ शराब शवाब भी परोस रहा है होटल में बैठकर ट्रक चालक खुलेआम शराब पीते हैं यह ढाबा होटल के बजाय बीते डेढ़ दशक से बियर बार बन चुका है होटल में जगह जगह पड़ी देशी-विदेशी अंग्रेजी और बीयर की खाली बोतलें इस बात की गवाही देती है लग्जरी वाहन से रहीस जादे भी बीयर और शराब पीने ढाबे पर पहुंचते हैं प्रतिदिन सैकड़ों वाहन इस बदनाम ढाबे पर शराब पीने के लिए रुकते हैं संगठित अपराध को रोकने के बार-बार अधिकारियों के निर्देश के बावजूद डेढ़ दशक से सब कुछ बेखौफ तरीके से ढाबे में संचालित हो रहा है लेकिन उसके बाद भी थाना पुलिस और आबकारी पुलिस ने ढाबा के तर्ज पर चलने वाले वियर बार को बंद नहीं कराया है जिससे उनकी संलिप्तता से इंकार नहीं किया जा सकता।

सिराथू तहसील के कोखराज थाना क्षेत्र के ननमई मोड़ अंदावा के पास बीयर बार की तर्ज पर चल रहे इस ढाबे में डेढ़ दशक से शराब शबाब खुलेआम ग्राहकों को परोसा जाता है लेकिन थाना पुलिस और आबकारी पुलिस ने ढाबा बंद कराने का प्रयास नहीं किया है अभी तक थाना पुलिस से लेकर आबकारी पुलिस ने कार्यवाही कर ढाबा संचालक माफिया को जेल भेजने की जुर्रत नहीं की है सूत्रों की माने तो आबकारी इंस्पेक्टर और थाना पुलिस तक नोट की मोटी गड्डी ढाबा संचालक पहुंचा रहा है जिससे पुलिस और आबकारी पुलिस वफादारी की भूमिका निभा रही है।

गौरतलब है कि संगठित अपराध के धंधे में कौशांबी के ढाबे बीते चार दशक से बदनाम है ढाबो में अफीम गांजा चरस शराब शबाब सब कुछ ग्राहकों को सहजता से उपलब्ध कराया जाता है स्थानीय थाना पुलिस सब कुछ जानती है लेकिन चंद टुकड़ों के आगे थाना पुलिस मौन सहमति दे देती है इतना ही नहीं पुलिस थाना के मेस की रोटी खाते खाते ऊब चुके उपनिरीक्षक और सिपाही इन ढाबा संचालकों के ढाबे में पहुंचकर भोजन करते हैं और ढाबा संचालक इन सिपाहियों से भोजन का भुगतान नहीं लेते हैं जिससे सिपाही और उपनिरीक्षक ढाबा संचालकों के कारनामों पर जुबान खोलने का साहस नहीं कर पाते हैं सूत्रों की माने तो दूधनाथ के नाम से ढाबा संचालित हो रहा है इलाके के लोगों ने ढाबे से बने बीयर बार के संचालक की ओर जिलाधिकारी पुलिस अधीक्षक का ध्यान आकृष्ट कराते हुए कार्यवाही करने की मांग की है इस संबंध में आबकारी अधिकारी से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जांच करके कार्यवाही की जाएगी।

शराब के साथ तीन को किया गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना महेवाघाट पुलिस बल द्वारा अभियुक्त पिन्टू पुत्र मोहन लाल निवासी हटवा रामपुर मड़की थाना मंझनपुर को गिरफ्तार कर कब्जे से 20 लीटर अवैध शराब व प्रेम चन्द्र पुत्र सुबोध निवासी मवई थाना महेवाघाट को गिरफ्तार कर कब्जे से 15 लीटर अवैध शराब बरामद होने पर अभियुक्त का चालान न्यायालय कर दिया है।

इसी प्रकार थाना मोहब्बतपुर पाइंस पुलिस बल द्वारा अभियुक्ता शिवरानी पत्नी मोतीलाल सरोज निवासी रमसहाईपुर थाना मोहब्बतपुर पइन्सा को गिरफ्तार कर कब्जे से 10 लीटर अवैध शराब बरामद होने पर अभियुक्ता का चालान न्यायालय कर दिया है।

वांछित अभियुक्त गिरफ्तार

कौशाम्बी। थाना मंझनपुर पुलिस बल द्वारा वाछित अभियुक्त मनोज कुमार मौर्य पुत्र स्व० सोने लाल निवासी गौरा भरवारी थाना कोखराज को गिरफ्तार कर विधिक कार्यवाही पक्षात अभियुक्त को न्यायालय भेज दिया है।

लुका छुपी खेल के बीच सरकारी जमीन पर हो रहा अवैध कब्जा

बंजर भूमि पर किए जा रहे कब्जा को ग्राम प्रधान के रोकने के बाद भू माफियाओं ने फिर शुरू किया कब्जा

अखंड भारत संदेश

कौशाम्बी। राजस्व कर्मियों की भूमिका सवालों के घेरे में है आला अधिकारियों को झूठी रिपोर्ट देकर गुमराह करने में राजस्व कर्मियों को महारत हासिल है दूसरे तरफ माफियाओं से सांठगांठ कर राजस्व कर्मी धनादोहन में जुटे हैं चायल तहसील क्षेत्र में भू-माफिया और लेखपाल लुका छुपी का खेल खेल रहे है सरकारी जमीनों पर कब्जे की शिकायत ग्रामीण कर अवैध कब्जा को रोकने की मांग कर रहे हैं आला अधिकारी कब्जा रोकने का निर्देश दे रहे हैं मौके पर लेखपाल पहुंचकर भू माफिया को रोक दे रहे हैं लेखपाल के जाने के बाद भू माफिया फिर काम शुरू कर देते हैं भू माफिया को किसी अधिकारियों का फरमान को लेखपाल गुमराह कर देता हैं इस तरह में यह लगा रहा है की लेखपाल खुद जमीन कब्जा करने की जिम्मेदारी ले रखा है नही तो भू माफिया के खिलाफ कोई कार्यवाही करने से लेखपाल क्यो कतरा रहा है जिस ने लेखपाल के सामने कब्जा रोक दिया उनके जाते ही कब्जा करने की कैसे जुर्रत हो जाती है यह कैसी कानून व्यवस्था है जिससे साफ हो जाता हैं कि लेखपाल तहसील प्रशासन को गुमराह कर रहा हैं और भू माफियाओं के बीच लुकाछिपी का खेल बेखौफ तरीके से खेला जा रहा है इस मामले को आला अधिकारियों को गंभीरता से लेना होगा और लुकाछिपी का खेल खेलने वाले लोगों पर मुकदमा दर्ज कराते हुए कठोर कार्यवाही किए जाने की जरूरत है ताजा मामला चायल तहसील क्षेत्र के समसपुर गांव के मजरा कृष्णा डोली की बंजर भूमि का है। चायल तहसील क्षेत्र में बंजर भूमि सुरक्षित नही रहा गई हैं भूमाफियों के ऊपर किसी अधिकारी की नजर नही पड़ा रही हैं इसलिए भूमाफियों के हौसले बुलंद हो चुके हैं लेकिन किसी छोटे अधिकारी के मना करने के बाद भी भूमाफिया नही मान रहे हैं भूमाफिय छोटे अधिकारी के मना करने के बाद भी काम लगा दिया जा रहा है जानकारी के मुताबिक चायल तहसील क्षेत्र के समसपुर गांव में भूमाफियों के हौसले इतने बुलंद हैं इनको किसी अधिकारी का डर नहीं रहा गया है ग्राम प्रधान के मना करने के बाद भी काम लगा दिया जा रहा है कृष्णा डोली गांव में बंजर भूमि में अलग अलग तीन जगह 15 दिन से कब्जा किया जा रहा है ग्राम प्रधान ने आकर कब्जे से मना किया कि बंजर भूमि हैं काम बन्द करो भूमाफियों ने काम को रोक दिए लेकिन ग्राम प्रधान के जाने के बाद फिर से काम को शुरू कर दिया है इसकी जानकारी ग्राम प्रधान द्वारा दिया गया है आखिर क्या ग्राम प्रधान के मना करने के बाद अवैध कब्जा धारकों ने जमीन पर कब्जा करने से क्यों नहीं बंद किया है यह व्यवस्था पर बड़ा सवाल है।

घूम-घूमकर दबंग कर रहे अपराध चरवा पुलिस बनी तमाशबीन

अखंड भारत संदेश

कौशांबी। चरवा थाना क्षेत्र के बलीपुर टाटा गांव में दबंगों के आगे चरवा पुलिस ने हथियार डाल दिए हैं गांव की मुन्नी बेगम उनकी बेटी नाजिया बेगम तबस्सुम बेगम पति अच्छे आदि पर एक महीने के बीच चार बार दबंगों ने बेरहमी से हमला किया है मुन्नी बेगम और उनकी बेटियों को गांव में दौड़ा दौड़ा कर लाठी-डंडों से खुलेआम पीटा है दबंगों के अत्याचार को तमाशबीन बनकर सैकड़ों ग्रामीणों ने देखा है लेकिन पुलिस फिर भी हमले को दोनो तरफ से हमले का रंग देने के प्रयास में लगी हैं प्रत्येक बार तहरीर देने के बाद भी चरवा पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा नहीं दर्ज किया है पुलिस के कारनामे की शिकायत डीजीपी से हुई है लेकिन उसके बाद भी मामले में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को गिरफ्तार पुलिस नहीं कर सकी है हमलावरों को लगातार पुलिस बहाने से बचाने का प्रयास कर रही है आखिर हमलावरों को संरक्षण देकर बचाने वाली चरवा पुलिस पर पुलिस आलाधिकारी कब कार्रवाई करेंगे। पूरी तरह से न्याय व्यवस्था चौपट हो गई है और प्रतिदिन अपराधियों को शरण देकर पीड़ितों पर जुल्म ज्यादती चरवा पुलिस कर रही है दौड़ा-दौड़ा कर मुन्नी बेगम और उनके परिजनों को पीटने के वीडियो वायरल होने के बाद चरवा पुलिस द्वारा अपराधियों को संरक्षण देने का भी मामला उजागर हो रहा है मुन्नी बेगम और उनकी बेटियों पर लगातार 10 फरवरी 28 फरवरी सहित एक महीने में 4 बार हमला किए जाने के बाद भी चरवा पुलिस ने आरोपियों पर मुकदमा दर्ज करने के बजाय मार खाने वाले पीड़ित परिजनों पर ही शांति भंग की धारा दर्ज कर पीड़ितों से समाज और दबंगो पर खतरे का अंदेशा व्यक्त किया है अब सवाल उठता है कि जिस व्यक्ति पर चार चार बार हमला हुआ हो और वह व्यक्ति हमला करने वालों पर मुकदमा दर्ज कराए जाने की गुहार पुलिस से लगा रहा हो अपने ऊपर हुए हमले का बदला लेने के लिए पुलिस की चौखट पर पीड़ित फरियाद कर रहा उससे किस तरह का पुलिस खतरा महसूस कर रही है गांव की चचाओं पर जाए तो हमलावरों को चरवा पुलिस भरपूर संरक्षण दे रही है जिसके एवज में उपनिरीक्षक के माध्यम से मोटी रकम पुलिस तक पहुंची है आखिर योगीराज में न्याय प्रिय प्रशासन की बात करने वाले अधिकारियों ने अभी तक चरवा पुलिस के कारनामे को संज्ञान क्यों नहीं लिया है आखिर पीड़ित मुन्नी बेगम को चरवा पुलिस के आतंक से कब निजात मिलेगी यह तमाम सवाल पुलिसिया व्यवस्था पर खड़े हो रहे हैं।

अपराधियों के बजाय पीड़ित कमजोर से चरवा पुलिस को महसूस हो रहा है शांति भंग का खतरा, महिलाओं पर बार-बार हमले के मामले में एसपी को गुमराह कर रहे थानेदार

अवैध तरीके से संचालित हो रही भट्ठी ...

कौशांबी। पिपरी थाना क्षेत्र के मखदूमपुर पुलिस चौकी अंतर्गत कई गांव में दर्जनों अवैध शराब की भट्ठी बेखौफ तरीके से संचालित हो रही है लेकिन स्थानीय पुलिस शराब भट्ठी पर कार्यवाही करती नहीं दिख रही है आबकारी विभाग के निरीक्षक भी अवैध शराब भट्ठी संचालन पर रोक नहीं लगा रहे हैं लोगों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए अवैध शराब भट्ठी के संचालन पर रोक लगाने की मांग की है।

मूरतगंज चौराहे पर लगता है जाम ...

कौशांबी। कोखराज थाना क्षेत्र के मूरतगंज चौराहे और तिराहे पर सड़कों पर विक्रम खड़े कर सवारी भरे जाने से पूरे दिन जाम की स्थिति बनी रहती है यातायात व्यवस्था को सुचारू करने के लिए स्थानीय पुलिस और यातायात पुलिस के जवान लगे हैं लेकिन बिक्रम संचालन के नंबर लगाने वाले के दबाव में वाहन चालकों पर कार्यवाही नहीं होती है जिससे आवागमन करने वाले राहगीरों को दिक्कतों से जूझना पड़ता है लोगों ने अधिकारियों का ध्यान आकृष्ट कराते हुए सड़क पर सवारी भरने वाले विक्रम चालकों पर कार्यवाही की मांग की है।

चेकिंग के दौरान की गई कार्यवाही

कौशाम्बी। जनपद मे लाकडाउन के दृष्टिगत सरकार द्वारा निर्गत निदेर्शों के अनुपालन के क्रम में पुलिस अधीक्षक के निदेर्शानुसार जनपद स्तर पर विभिन्न थानों द्वारा अनावश्यक रूप से बाहर घूमने मास्क न लगाने एवं सोशल डिस्टेसिंग का पालन न करने वालों के विरुद्ध सघन चेकिंग की गई एंव चेकिंग के दौरान दो पहिया व चार पहिया वाहनों को चेक किया गया, जिनमें 72 वाहनो का ई चालान किया गया।

संपादकीय

चुनाव परिणाम : राष्ट्रीयता का बढ़ता प्रभाव

देश के पांच राज्यों के चुनाव परिणामों में सबसे महत्वपूर्ण तथ्य यह है कि उत्तर प्रदेश में पुनः भाजपा की सरकार बनने जा रही है। वहीं, पंजाब को छोड़कर शेष तीन राज्यों में भी भाजपा ने प्रभावी उपस्थिति दर्ज कराई है। समाजवादी पार्टी की ओर से किए गए परिश्रम का प्रतिफल यही है कि उसकी सीटों की संख्या में भी जबरदस्त वृद्धि हुई है। हालांकि समाजवादी पार्टी की ओर से जिस प्रकार के दावे किए जा रहे थे, वे धराशायी होते दिखाई दिए। उत्तर प्रदेश में जनता ने जिस प्रकार दूसरी बार भारतीय जनता को पसंद किया है, उसके निहितार्थ यही हैं कि उत्तर प्रदेश में जिस प्रकार जातिवाद और तुष्टिकरण की राजनीति की जा रही थी, उस पर अब बड़ा विराम स्थापित हो चुका है। उल्लेखनीय है कि समाजवादी पार्टी की पूरी राजनीति एमवाई यानी मुसलमान-यादव समाज के इर्दगिर्द घूमती रही थी। पिछले दो विधानसभा चुनाव परिणाम यही प्रदर्शित करते दिखाई दे रहे हैं कि अब उत्तर प्रदेश की जनता ने समाजवादी पार्टी, बसपा और कांग्रेस के इस गणित को पूरी तरह से नकार दिया है। उत्तर प्रदेश अब भ्रमित करने वाली राजनीतिक धारणा से बहुत ऊपर जा चुका है। कहा जाता है कि समाजवादी पार्टी सहित गैर भाजपा दलों ने लम्बे समय तक गरीब जनता के मन में भाजपा के प्रति भय का वातावरण निर्मित किया था, जिसे जनता ने सही समझ लिया और इनको अवसर दिया लेकिन राजनीतिक संरक्षण में जिस प्रकार आपराधिक प्रवृति का विस्तार होता गया, उससे जनता बहुत हद तक प्रभावित हुई। जनता ने संभवतः इसी प्रताड़ना के कारण अब भाजपा के प्रति अपना मानस बदला है और एक बार फिर सत्ता सौंप दी। इन चुनावों में कांग्रेस को अप्रत्याशित हार का सामना करना पड़ा है। कांग्रेस की ओर से तुरुप का इक्का के रूप से प्रचारित की गईं प्रियंका वाड्रा इस बार भी कोई कमाल नहीं कर पाईं। हालांकि कांग्रेस को इस चुनाव से बहुत उम्मीद थी, लेकिन परिणाम आने के बाद उनके लिए यह बुरे सपने जैसा साबित हो रहा है। इसी प्रकार बहुजन समाज पार्टी की ओर से किए जाने वाले दावे भी अप्रत्याशित रूप से असफल होते दिखाई दिए। ताजा राजनीतिक हालात का अध्ययन किया जाए तो यही परिलक्षित होता है कि उत्तर प्रदेश में तमाम भाजपा विरोधी दलों ने भाजपा को हराने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ी। यह सब केवल इसलिए किया गया क्योंकि योगी आदित्यनाथ के मुख्यमंत्री रहते कई राजनीतिक दलों की दुकानें बंद हो गईं थीं। यहां तक कि प्रशासनिक कार्यप्रणाली में भी बहुत बड़ा बदलाव देखने को मिल रहा है। कहने का तात्पर्य यही है कि जनता आज भी ईमानदार शासक को पसंद करती है। उत्तर प्रदेश का चुनाव इसी बात को प्रदर्शित कर रहा है। जहां तक पांच राज्यों के चुनाव परिणामों की बात है तो स्वाभाविक रूप से यही कहा जाएगा कि पूरे परिदृश्य में कांग्रेस ने मुंह की खाई है। उसकी किसी भी राज्य में सरकार न तो बनी है और न ही पंजाब में अपनी सरकार को बचाने में सफल हुई है। इसलिए यही कहा जा सकता है कि पंजाब में कैप्टन अमरिंदर सिंह को मुख्यमंत्री पद से हटाने का कांग्रेसी दांव स्वयं कांग्रेस के लिए उलटा पड़ गया। पंजाब में गहन चिंतन की बात यह भी है कि जिस प्रकार आम आदमी पार्टी ने कांग्रेस अध्यक्ष नवजोत सिंह सिद्धू को अपनी पार्टी की ओर से मुख्यमंत्री पद के लिए पसंद बनाया था, उसने आम आदमी पार्टी की जीत का रास्ता तैयार करने में महत्वपूर्ण कार्य किया।

भाजपा का रिकॉर्ड तो आप ने पकड़ी विकल्प की राह !

-ऋतुपर्णा दवे

मणिपुर और गोवा में भी बढ़त से उत्साहित भाजपा के लिए अब पूरे देश में राजनीतिक रूप से नए फैसलों को लेने के लिए इन नतीजों को हरी झण्डा मान देश में राजनीति की नई तस्वीर जरूर दिखेगी और दिखनी भी चाहिए। बेशक उप्र ने योगी आदित्यनाथ को पहले इस्तेमाल करो फिर विश्वास करो के जुमला से ही सही दोबारा सत्ता में पहुंचाया। लेकिन क्या उनके कड़े फैसले देश में सुशासन की नई इबारत लिखेंगे? वहीं अपने कामों के प्रचार से दिल्ली के बाद पंजाब में भी सत्ता में आने वाली आम आदमी पार्टी भी आम लोगों के लिए खास बनकर देश में नया विकल्प बनेगी। हाँ, इतना तो कहा जा सकता है कि भाजपा में सत्ता की धुरी की जोड़ी अब दो नहीं तीन होकर पार्टी को और मजबूत करेंगे

भारत के राजनीतिक भविष्य के लिए बेहद अहम से माने जा रहे 5 राज्यों के विधानसभा चुनाव उसमें भी खासकर उत्तर प्रदेश ने न केवल यह जतला दिया है कि 2024 में दिल्ली की गद्दी का रास्ता फिर वहीं से निकलेगा बल्कि 37 वर्षों का मिथक भी तोड़ दिया कि एक ही दल दोबारा सत्ता में नहीं आता। अपना कार्यकाल पूरा करने के बाद भाजपा और योगी का उत्तर प्रदेश में दोबारा प्रचण्ड बहुमत लौटना बताता है कि मिथक बस मिथक ही होते हैं जो जनादेश के आगे टूट जाते हैं। नारायण दत्त तिवारी के बाद योगी आदित्यनाथ ही अकेले मुख्यमंत्री हैं जिन्होंने कार्यकाल पूरा कर शानदार वापिसी की है। बेशक यह चुनाव 2024 के आम चुनाव के लिए वो ट्रेलर साबित होंगे जिसने पूरी दिखनी वाली फिल्म की कहानी खोल दी है।

अब जैसा कि तय दिख रहा है योगी आदित्यनाथ ही लगातार दूसरी बार मुख्यमंत्री बनेंगे जो 37 वर्षों के बाद होगा तथा राज्य के पांचवें मुख्यमंत्री होंगे जो दूसरे कार्यकाल की जिम्मेदारी निभाएंगे। इससे पहले सिर्फ चार मुख्यमंत्री 1957 में संपूर्णानंद, 1962 में चंद्रभानु गुप्ता, 1974 में हेमवती नंदन बहुगुणा और 1985 में नारायण दत्त तिवारी ही चुनाव के बाद सत्ता में वापसी कर पाए थे। इसी तरह उत्तराखण्ड में दोबारा सत्ता में न आने का मिथक टूट चुका है।

भाजपा की सत्ता में शानदार वापसी बता रही है कि मतदाताओं ने पूरा भरोसा किया है और यहाँ 3-3 मुख्यमंत्री बदलने के बाद भी वापसी ने मतदाताओं की परिपक्वता और विश्वास का जनादेश ही दिखाया है। शायद काँग्रेस यहाँ भी अपनी अन्दरूनी कलह की वजह से पिछड़ती चली गई। बाँकी 3 राज्यों के नतीजों में पंजाब ने वो इतिहास रचा जो देश की भावी राजनीति का नया विकल्प होने के लिए तेजी से फैलता बरगद साबित हो सकता है। बेशक आम आदमी पार्टी की हैसियत अब क्षेत्रीय दल से बाहर आ रही है जिसको लेकर सभी मानते हैं कि वही काँग्रेस की जगह लेती दिखेगी। बिना लाग लपेट कहें तो 10 सालों में जिस तेजी से आम आदमी पार्टी ने अपना जनाधार तैयार किया है उससे भाजपा के शुरूआती दिनों की याद ताजा हो रही है। गोवा और मणिपुर में भाजपा

की प्रभावी बढ़त बताती है कि भाजपा अभी भी अविजित है। अब काँग्रेस कहाँ होगी? कह पाना मुश्किल है 2024 के आम चुनाव से पहले 10 राज्यों के विधानसभा चुनाव भी होने हैं।

इसी साल के आखिर में गुजरात और हिमाचल प्रदेश तो 2023 में 8 राज्यों के चुनाव होने हैं। इनमें मार्च में पूर्वोत्तर के तीन राज्य मेघालय, नगालैंड और त्रिपुरा तो मई में कर्नाटक और दिसंबर में मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ, राजस्थान और तेलंगाना जैसे बड़े राज्यों के चुनाव होंगे। जाहिर है 2024 के आम चुनावों की तैयारियों तक 10 राज्यों के चुनावों की झड़ी सामने दिख रही है जिसके लिए भाजपा अड़ी दिख रही है।

यकीनन 2024 का इसे शंखनाद कह सकते हैं। विरोधी दलों को एक बार फिर से सोचने को मजबूर करने वाले 5 राज्यों के नतीजों से एक बात तो तय है कि देश की राजनीतिक छवि काफी बदलने वाली है। भाजपा को अव्वल मानने से किसी को भी गुरेज नहीं है लेकिन जिस तरीके से आप पार्टी ने जहाँ जीतती तो वह किसी सुनामी से कम नहीं होती लाकर आने वाले दिनों में खुद को देश के तमाम राज्यों में विकल्प और मजबूत विपक्ष बनने की ओर अग्रसर कर लिया है।

उप्र में दलित कार्ड पर राजनीति का बदलता रंग एक बड़ा संकेत जरूर है। हासिए पर आई बसपा और काँग्रेस में इसकी अगर सबसे ज्यादा कीमत किसी भी दल को चुकानी पड़ेगी तो वह है काँग्रेस। बेशक अगले पौने दो बरस में 10 राज्यों में विधानसभा चुनाव होने हैं। इनमें बसपा कहीं भी लड़ाके की मुद्रा में नहीं है।

हाँ, काँग्रेस जरूर है जो अंर्तकलह और रणनीतियों में उलझी होगी। काँग्रेस के लिए यह नतीजे बड़े कुठाराघात से कम नहीं है। काँग्रेस के लिए छत्तीसगढ़ को छोड़कर उम्मीद की किरण कहीं दिखती नहीं। वहीं आम आदमी पार्टी की पैनी नजर हिमाचल प्रदेश और गुजरात में है। पंजाब में आप की सुनामी से उत्साहित इस पार्टी के हौसले निश्चित रूप से बुलंदियों पर हैं और इसे लेकर जनधारणा, अगले विधानसभा चुनावों में नतीजों में कितनी तब्दील होगी या नहीं इसके लिए तो इंतजार ही करना होगा। हाँ, शिक्षा, स्वास्थ्य, मुफ्त बिजली और गुड गवर्नेंस को लेकर आम आदमी पार्टी का दिल्ली मॉडल धीरे-धीरे जरूर लोकप्रियता की ओर बढ़ रहा है। आगे यह भाजपा के लिए चुनौती जरूर होगा।

पंजाब में आप की सुनामी के आगे तमाम दिग्गजों का धराशायी होना राजनीति की नई इबारत लिखने जैसा है। इसके अलग ही परिणाम दिखेंगे, नशा से लेकर किसान आन्दोलन का असर भी बस पंजाब में ही दिखा। लेकिन उत्तर प्रदेश और उत्तराखण्ड में ऐसा नहीं रहा। हाँ, देश में भाजपा को एक नई और जनआकांक्षाओं के अनुरूप बड़े और कड़े निर्णय लेने का रास्ता उत्तर प्रदेश ने जरूर साफ कर दिया है।

योगी आदित्यनाथ को बुलडोजर बाबा के रूप में प्रचारित कर खुद विपक्ष ने आगे बढ़ा कर वो हथियार दे दिया जो उन्हें ले डूबा। जाहिर है इन नतीजों को भू-माफियाओं, अपराधियों पर किए गए प्रहारों पर मुहर कही जा सकती है। हाँ, इसको लेकर मप्र के मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चैहान की भी सोच अब समझ आने लगी है। उन्होंने भी अपराधियों और माफियाओं, सूदखोरों पर हाल ही में जो ताबततोड़ कार्रवाइयाँ की हैं, वह उत्तर प्रदेश की तर्ज पर हैं। 2023 के आखिर में मप्र में चुनाव हैं। जो तेवर शिवराज के दिख रहे हैं उससे लगता है कि यहाँ भी बच्चों में मामा के नाम से लोकप्रिय शिवराज भी अगर बुलडोजर मामा बन गए तो आश्चर्य नहीं होना चाहिए। उत्तर प्रदेश की भाँति मध्यप्रदेश में भी भू, रेत और खनन माफियाओं की बढ़ती आपाराधिक गतिविधियों पर जो प्रहार, बतौर प्रयोग शुरू हुआ था, लगता है कि वह अब बड़े स्तर पर कर वो नया करेंगे जो अब तक नहीं हुआ।

मणिपुर और गोवा में भी बढ़त से उत्साहित भाजपा के लिए अब पूरे देश में राजनीतिक रूप से नए फैसलों को लेने के लिए इन नतीजों को हरी झण्डा मान देश में राजनीति की नई तस्वीर जरूर दिखेगी और दिखनी भी चाहिए। बेशक उप्र ने योगी आदित्यनाथ को पहले इस्तेमाल करो फिर विश्वास करो के जुमला से ही सही दोबारा सत्ता में पहुंचाया। लेकिन क्या उनके कड़े फैसले देश में सुशासन की नई इबारत लिखेंगे? वहीं अपने कामों के प्रचार से दिल्ली के बाद पंजाब में भी सत्ता में आने वाली आम आदमी पार्टी भी आम लोगों के लिए खास बनकर देश में नया विकल्प बनेगी। हाँ, इतना तो कहा जा सकता है कि भाजपा में सत्ता की धुरी की जोड़ी अब दो नहीं तीन होकर पार्टी को और मजबूत करेंगे। अब योगी, मोदी और अमित शाह ही वो तिकड़ी होंगे जिन पर न केवल भाजपा बल्कि भावी फैसलों का सारा दारोमदार होगा जो कोरोना से लड़ने के बावजूद तमाम आरोप, प्रचार और दुष्प्रचार से इतर अपने लक्ष्य में कामियाब रहे। भारत के परिपक्व और मजबूत लोकतंत्र के लिए हर चुनाव बेमिशाल ही होते हैं ठीक वैसे यह भी रहा।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार और स्तंभकार हैं)

कविता

सोचने के बाद और
सोचने से पहले,
अकेला है वह?
उसने सोचा,
वह अकेला नहीं है,
उसके सोचने के पहले
सोचने के बाद
और सोचने के बीच,
वह अकेला नहीं है,
सब हैं उसके साथ ।
कई मित्र हैं उसके,
हजारों,
वाह वाह, पसंदगी,
तारीफ, खुश करने
शब्दों का भंडार

संजीव ठाकुर

तैलीय पदार्थों की कीमतें बढ़ना तय

किशन भावनानी

यूक्रेन-रूस युद्ध के चलते वैश्विक स्तरपर कच्चे तेल में अप्रत्याशित वृद्धि को देखते हुए जो अप्रत्याशित बाजार के भाव आज तक के सबसे ऊंचे स्तरपर पहुंचे हुए हैं उसपर भी अमेरिका के सबसे कड़क प्रतिबंध रूस पर बिना यूरोपीय सहयोगीयों की भागीदारी के उर्जा के आयात पर प्रतिबंध लगाया है जिसमें रूसी तेल, लिक्विड, नेचुरल गैस और कोयला शामिल होंगे!!! तथा ब्रिटेन ने भी इस साल के अंत से प्रतिबंध लगाने की घोषणा से वैश्विक स्तरपर हड़कंप मच गया है क्योंकि रूस ही इन यूरोपीय देशों को काफी मात्रा में तैलीय पदार्थों, गैस की आपूर्ति करता है ऐसी जानकारी इलेक्ट्रॉनिक मीडिया में आई है। जिसपर पेट्रोल डीजल सहित ईडेबल ऑयल और तैलीय वस्तुओं के रेट बढ़ना तय है!! जिसपर आम जनता से महंगाई डायन बढ़ी हुई कीमतों के अस्त्र सहारे आर्थिक परमाणु युद्ध छेड़ेगी!!!

साथियों बात अगर हम भारत की करें तो यह एक संयोग है या रणनीति कि जब-जब लोकतंत्र के महापर्व का आयोजन होता है तब तक पेट्रोल डीजल की कीमतें में स्थिरता रहती है!!! चाहे वैश्विक स्तरपर कच्चे तेल की कीमतें किसी भी बढ़ें स्तरपर पहुंच जाए इस संयोग को हम कई बार देख चुके हैं और इलेक्ट्रॉनिक, प्रिंट, सोशल मीडिया पर यह मुद्दा उछलता ही रहता है। यह भी शायद संयोंग ही होगा कि बंगाल के साथ-साथ अभी पांच राज्यों में हुए लोकतन्त्र के महापर्व में भी हमने देखा कि 25 नवंबर 2021 से पेट्रोल डीजल की कीमत में स्थिरता है!!! जबकि यूक्रेन-रूस महायुद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमतें 125 डॉलर प्रति बैरल के आसपास घूम रही है!!! अमेरिका ने समस्त तैलीय वस्तुओं पर रूस से आयात पर प्रतिबंध, ब्रिटेन द्वारा इस साल के अंत से प्रतिबंध सहित भारत द्वारा रूस सहित अन्य देशों पर तैलीय पदार्थों के लिए निर्भरता से अभी युद्ध में अप्रत्याशित फर्क पड़ा है जिसके कारण तैलीय वस्तुओं पर अधिक वृद्धि हमें अभी वर्तमान में मार्केट में देखने को मिल रही है!! अभी चुनाव नतीजे घोषित हो गए हैं तो हो सकता है 11 मार्च से कभी भी पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी वृद्धि देखने को मिले!!! इसपर एक केंद्रीय मंत्री का बयान टीवी चैनल पर आया कि पेट्रोल डीजल की कीमतों पर सरकार का नियंत्रण नहीं बल्कि बाजार में तय होता है, समझने वाले सब समझते हैं जो ना समझे वो अनाड़ी है!!!

साथियों बात अगर हम चुनाव नतीजे घोषित हो चुके हैं और पेट्रोल डीजल कीमतों की स्थिति की करें तो, मेरा मानना है कि अब महंगाई डायन 11 मार्च के बाद कभी भी पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ाए अस्त्र के सहारे जनता से आर्थिक परमाणु युद्ध शुरू करेगी!!! और जनता जनार्दन असहाय होकर देखती रह जाएगी!! और देखती रहेगी कि कैसे फिर हो गया महंगाई का वार, कुछ मदद करेगी सरकार ? क्योंकि हम टीवी चैनलों पर 9 मार्च से ही डिबेट में देख रहे हैं कि कई विशेषज्ञ पेट्रोल-डीजल की कीमतों में भारी उछाल की आशंका जता रहे हैं!!!

विचार

तो क्या आधी दुनिया को मिला पाया बोर्ड रूम में वाजिब हक

आर.के. सिन्हा

पिछली 8 मार्च को विश्व महिला दिवस के मौके पर आधी दुनिया के अपने हिस्से के आसमान को छूने को लेकर तमाम तरह की बातें सामने आईं। इन्हें देख-पढ़कर सुखद अनुभूति हुई। पर यह पक्ष शायद ठीक से सामने नहीं आया कि आधी दुनिया कॉरपोरेट संसार में भी शिखर के पदों पर पहुंच रही है। सरकारी क्षेत्र के उपक्रम हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड(एचपीसीएल) में निशि वासुदेवा की अध्यक्ष और प्रबंध निदेशक तथा ऑयल एंड नैचुरल गैस कॉरपोरेशन (ओएनजीसी) में अलका मित्तल का अंतरिम चेयरमैन और प्रबंध निदेशक नियुक्त किया जाना इस तरफ इशारा कर रहा है कि अब महिलाओं को विशाल सरकारी नवरत्न कहे जाने वाले प्रतिष्ठित उपक्रमों के सबसे ऊंचे पायदान पर काम करने का मौका मिल रहा है। यह पहली बार हुआ है कि किसी महिला को देश की सबसे बड़ी तेल और गैस उत्पादक कंपनी का प्रमुख बनाया गया है। जान लें कि यह एक सामान्य घटना नहीं है। अर्थशास्त्र में पोस्ट ग्रैजुएट और कॉमर्स में डॉक्टरेट की डिग्री पाने वाली अलका मित्तल 27 नवंबर, 2018 को ओएनजीसी के निदेशक मंडल में शामिल होने वाली पहली महिला बनी थीं। हालांकि यह भी स्वीकार करना ही होगा कि अभी महिला पेशेवरों को कॉरपोरेट संसार में अपना वाजिब हिस्सा लेने के लिए मेहनत और संघर्ष करते रहना होगा। एक ताजा जानकारी के अनुसार, बॉम्बे शेयर बाजार में सूचीबद्ध कंपनियों के बोर्ड में अब भी सिर्फ 18 फीसद ही महिलाएं हैं। इस आंकड़े से साफ है कि अभी कम से कम सूचीबद्ध कंपनियों में महिला निदेशकों की संख्या 45-50 फीसद होने में भी अभी वक्त लगेगा। पर कुछ साल पहले तक यह भी किसने सोचा था कि सूचीबद्ध कंपनियों में 18 फीसद तक महिलाएं निदेशक बन जाएंगी। बेशक, महिलाएं लगातार कॉरपोरेट जगत में कदम तो बढ़ा ही रही हैं। आप किसी भी छोटी-बड़ी कंपनी के दफ्तर में जाकर देख लें। वहां पर आपको महिला पेशेवरों की ठीक-ठाक तादाद नजर आ जाएगी। इस बीच, माधवी पुरी बुच ने कुछ समय पहले भारतीय प्रतिभूति एवं विनियम बोर्ड (सेबी) की प्रमुख का पदभार संभाल लिया है। सेबी की चेयरपर्सन बनने वाली बुच पहली महिला हैं। साथ ही वह पिछले कुछ वर्षों में इस पद पर आने वाली पहली गैर-नौकरशाह है। सरकार ने उन्हें सेबी प्रमुख पद पर तीन साल की अवधि के लिए नियुक्त किया है। यह मानना होगा कि कॉरपोरेट भारत में औरतों के लिए हाल-फिलहाल तक कोई बहुत स्पेस नहीं था। इन्हें टाइपिस्ट-क्लर्क या प्राइवेट सेक्रेटरी जैसे पदों तक के लायक ही समझा जाता था। टाटा समूह भारत की कॉरपोरेट दुनिया को एक तरह से दिशा देता रहा है। इसकी राष्ट्र निर्माण में भी शानदार भूमिका रही है। लेकिन, इस समूह के प्रेरणा पुरुष जे.आर.डी.टाटा के दौर में भी यहां पर समूह की किसी कंपनी की कमान किसी महिला पेशेवर को नहीं मिली। इसी तरह से शायद ही किसी महिला को समूह की किसी कंपनी के बोर्ड में जगह मिली। जे.आर.डी टाटा के दौर में अजित केरकर (ताज होटल), एफ.सी. सहगल (टीसीएस), प्रख्यात विधिवेत्ता ननी पालकीवाला (एसीसी सीमेंट), रूसी मोदी (टाटा स्टील) ही टाटा समूह के अहम चेहरे रहे। इस उदाहरण को देने का मकसद यह है कि जब टाटा समूह में महिलाओं को कायदे का हक नहीं मिला था तो बाकी की तो बात ही छोड़ दीजिए। देश में सन 1991 के बाद आर्थिक उदारीकरण की जो बयार बहने लगी तो उसने कॉरपोरेट संसार का चेहरा बदलना चालू कर दिया। उसके बाद धीरे-धीरे आधी दुनिया आंत्रप्यूनर भी बनने लगीं और उन्हें दिग्गज कंपनियों में अहम पद भी हासिल होने लगे। ये सब इसलिए हुआ क्योंकि अवसरों की सुनामी सी आ गई। इन अवसरों को दोनों हाथों से पकड़ने में आधी दुनिया पीछे नहीं रहीं। इधर ब्यूटी स्टार्टअप नायका की फाउंडर फाल्गुनी नायर का जिक्र करना समीचिन रहेगा। वो भारत की सबसे अमीर सेल्फमेड महिला अरबपति बन गई हैं। कुछ समय पहले नायर की कंपनी नायका की शानदार लिस्टिंग हुई। शेयर बाजार ने इस आईपीओ का दिल खोलकर स्वागत किया था।

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक

संजीव ठाकुर

मनुष्य के जीवन में प्रेम तथा ज्ञान दोनों ही अत्यंत आवश्यक एवं उत्प्रेरक अंग है। प्रेम भावनात्मक तत्व है, जो मनुष्य को इंसान बनाता है, संवेदना और मानवता को जागृत करता है। ज्ञान की उत्कंठा या तार्किक क्षमता मनुष्य को निरंतर प्रगति की ओर ले जाती है। मनुष्य के जीवन में ज्ञान ही उसे मानवता के उत्कृष्ट शिखर पर ले जाता है, वह मनुष्य को पशुत्व से अलग रखता है। मनुष्य ज्ञान की अनुभूति के कारण ही मुस्कुराता हंसता है, जबकि जानवर इसके अभाव में मूक बना रहता है, हंसता,मुस्कुराता नहीं है, इसलिए मुस्कुराइए, हंसीये, प्रेम करिए और ज्ञान प्राप्ति की ओर उन्मुख होते रहिए, तब ही जीवन सार्थक हो सकता है। प्रेम के बिना ज्ञान और अध्ययन मनुष्य को मशीन बना देता है। प्रेम और ज्ञान की अलग-अलग मीमांसा की गई है। प्रेम, ज्ञान की अपेक्षा अत्यधिक महत्वपूर्ण होता है क्योंकि प्रकृति में अधिक घुल मिलकर आधारभूत तत्व तो बनाता है ही,बल्कि प्रेम प्रत्येक जीव में विद्यमान होता है। परस्पर एक दूसरे की भाषा नासमझ पाने वाले जीव भी एक दूसरे से प्रेम की भाषा द्वारा मधुर संवाद कर सकते हैं। प्रेम सभी प्रकार के माननीय बंधनों से परे है। जबकि ज्ञान प्राप्ति को मानवता में परम स्थान दिया गया है। प्राचीन भारतीय दर्शन एवं संस्कृति ने ज्ञान की महत्ता को महिमामंडित किया है और ज्ञान की प्राप्ति को सभी प्रकार के बंधनों से मुक्ति के लिए एक आधारभूत कारण भी बताया है। किसी मशीन अथवा कंप्यूटर को किसी भी प्रेरणा की आवश्यकता नहीं होती वह मनुष्य द्वारा दिए गए निदेर्शों का केवल पालन करता है। मनुष्य को प्रेरणा की आवश्यकता होती है ताकि वह ज्ञान प्राप्ति का साधन बन सके और यह प्रेरणा प्रेम द्वारा ही मिलती है,जिससे वह प्रेम करता है। उसके लिए निरंतर सहायता व लाभ देने का प्रयास ज्ञान द्वारा ही करता है। ज्ञान बिना प्रेम के निरंकुश भी हो सकता है और समाज को हानि भी पहुंचा सकता है, किंतु प्रेम से युक्त ज्ञान का उपयोग वैश्विक मानव कल्याण के लिए किया जाता रहा है। इतिहास में अनेक महापुरुषों ने अपने प्रेम, करुणा, ज्ञान से लोगों के जीवन क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और इतिहास की धारा को भी सकारात्मक रूप से आगे बढ़ाया है। भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के जननायक महात्मा गांधी जी का जीवन भी प्रेम रोग ज्ञान का अद्भुत संयोजन था,उनका अहिंसा और सत्याग्रह मानव मात्र वह विश्व के प्रत्येक जीव के प्रति प्रेम का उत्कृष्ट उदाहरण है, इसके द्वारा उन्होंने संपूर्ण मानवता को प्रेम पूर्वक जीने का महान संदेश दिया है। गांधीजी के सिद्धांतों में हिंसा का कोई स्थान नहीं था। वह अन्यायी व्यक्ति का प्रेम द्वारा हृदय परिवर्तन में विश्वास रखते थे, उनका कहना था कि 'पाप से घृणा करो पापी से नहीं' फल स्वरुप उन्होंने अपने प्रेम से भारतीय जनमानस के हृदय जीत लिया और अपने ज्ञान को तर्कशक्ति से अंग्रेजों को भारतीय जनमानस के सामने झुकने पर मजबूर कर दिया और हमने स्वतंत्रता प्राप्त की। महात्मा बुद्ध ने अपने जीवन में अंगुलिमाल डाकू का हृदय परिवर्तन कर उसे महात्मा बना दिया था,उन्होंने ज्ञान व प्रेम के द्वारा उसका हृदय परिवर्तन कर दिया था। इसी तरह जब ईसा मसीह को सूली पर चढ़ाया गया तब उन्होंने स्वयं को सूली पर चढ़ाने वालों के लिए ईश्वर से यही प्रार्थना कि' ईश्वर इन्हें माफ कर देना इनको नहीं पता कि यह क्या करने जा रहे हैं'। इस तरह उन्होंने मानवता के सामने अपने प्रेम को ज्ञान का जो उत्कृष्ट उदाहरण प्रस्तुत किया हुआ अत्यंत दुर्लभ है आज संपूर्ण विश्व में प्रभु यीशु के अनुयायियों की संख्या सर्वाधिक है। भगवान श्रीराम ने प्रेम में वशीभूत होकर ही शबरी के जूठे बेर भी खा लिए थे, जबकि श्री राम सर्वाधिक ज्ञान में आदर्श मनुष्य थे। एक अच्छे और सार्थक जीवन के लिए प्रेम तथा ज्ञान दोनों का संबंध एवं समन्वय अत्यंत महत्वपूर्ण पहलू हैं। अकेला ज्ञान तथा अकेला प्रेम सदैव सार्थक नहीं हो सकता है। रावण ज्ञानी पुरुष था किंतु विध्वंस कारी भी था उसने प्रेम के अभाव में सिर्फ ज्ञान के चलते अपने कुल को नष्ट करवा दिया था। प्रेम तथा ज्ञान के सदुपयोग से अच्छे जीवन का पथ प्रदर्शन भी किया जा सकता है। इससे हम केवल परिवार व्यक्ति या समाज ही नहीं बल्कि राष्ट्र के स्तर पर भी आत्मसात कर राष्ट्र को वैश्विक महानता की ओर ले जा सकते हैं। वर्तमान में हम संवैधानिक प्रावधानों के अनुरूप सामाजिक जीवन को सफलतापूर्वक संचालित करने में सक्षम है। आज हमारे सामने पर्यावरण संतुलन वैश्विक अपन गरीबी जैसी अनेक समस्याएं मौजूद हैं।

पप्पू पास हो गया

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

हमारे पड़ोसी के लड़के को 99.9 परसेंट क्यों आए? इसी चिंता में अपने 99 परसेंट वाले लड़के को यह कहकर लताड़ने लगा कि एक परसेंट कहाँ गया। बगल वाले के लड़के को प्वाइंट नाइन अंक क्या अधिक आ गए मेरी छाती पर साँप लौटने लगे। हाँ यह अलग बात है कि मैं अपने समय बॉर्डर पास होने को पाकिस्तान पर जीत से कम नहीं समझता था। ऐसे में अपने बेटे को डाँटना-फटकारना अखरना तो बुरा लगता है, लेकिन न डाँटने पर पड़ोसियों की नजर गैर-जिम्मेदारा माता-पिता का तमगा लग जाता है। आज तो कई काम पड़ोसियों के लानत भरे तमगों से बचने के लिए करते हैं। भारत रत्न जितना सम्मानजनक होता है, उतना ही पड़ोसियों का तमगे से बचे रहना उससे कहीं कम नहीं है।

पड़ोसियों की देखा-देखी यह पूछना कि प्वाइंट नाइन परसेंट कहां कटा आया? अक्ल कहाँ भूंसा चरने गई थी, कहना संवेदनशील माता-पिता होने का प्रतीक है। और तो और बगल वाले बच्चों से जब तक तुलना न कर दो तब तक हलक के नीचे निवाला उतरने का नाम नहीं लेता। पड़ोसी भी मानो पड़ोसी न हुए हमारे डायटिशियन हो गए। बच्चों के अंक में प्रश्नों के उत्तर छिपे हों या न हों लेकिन माता-पिता की नाम अवश्य छिपी होती है। जितने अंक कम होंगे नाक उतनी ही अधिक कटेगी। दोनों का ग्राफ विरोधाभासी स्वभाव का अधीन होता है। यही कारण है कि बच्चे सदा स्कूल बंद रहने की इच्छा व्यक्त करते हैं। नो एग्जाम नो टेंशन। उनकी ख्वाहिश है कि चुनावों की तरह इम्तिहान भी पांच साल बाद ही होने चाहिए। डॉक्टरेट की डिग्री भी सब्जी मंडी में सब्जियों की तरह मिल जाएँ तो कितना अच्छा होता। न पढने. का झंझट और न लिखने की किरकिरी। ऐसे ही लोगों के लिए रेल से सफर करने पर गुप्त रोग विज्ञापनों के बाद एक झटके में डिग्री पास। बिना दसवीं के डिग्री। या यूँ कहें कि बिना पढ़ाई के

खेल संदेश

जोकोविच ने इंडियन वेल्स के ड्रॉ में जगह बनाई

इंडियन वेल्स। नोवाक जोकोविच ने बीएनपी परीबस ओपन में पुरूषों के मुख्य ड्रॉ में जगह बना ली है लेकिन देखना यह है कि उन्हें अमेरिका में प्रवेश की अनुमति मिलती है या नहीं। जोकोविच ने

कोरोना का टीका नहीं लगवाया है जबकि अमेरिका में प्रवेश के लिये यह अनिवार्य है। टूर्नामेंट के अधिकारियों ने कहा है कि इंडियन वेल्स में भाग लेने के लिये टीके के डोज लगे होना जरूरी हैं।पुरूष वर्ग का ड्रॉ मंगलवार को निकाला गया जिसमें जोकोविच का नाम भी था। उन्हें पहले दौर में बाय मिला है और दूसरे दौर में वह डेविड गोफिन या जोर्डन थाम्पसन से खेलेंगे। टूर्नामेंट अधिकारियों ने एक बयान में कहा , हम उनकी टीम से बात कर रहे हैं। अभी यह तय नहीं है कि वह देश में प्रवेश के लिये अनुमति लेकर खेल सकेंगे या नहीं। उन्होंने पिछले महीने दुबई में खेला था जहां क्वार्टर फाइनल में उन्हें जिरि वेसली ने हरा दिया था।जनवरी में उन्हें कोरोना टीकाकरण नियमों के कारण ही आस्ट्रेलिया में प्रवेश नहीं मिला था और वह आस्ट्रेलियाई ओपन नहीं खेल सके थे।

मेलबर्न क्रिकेट मैदान पर वार्न को 30 मार्च को दी जाएगी अंतिम विदाई

मेलबर्न। आस्ट्रेलिया के दिग्गज स्पिन गेंदबाज शेन वार्न के खेल करियर के कुछ शानदार लम्हों के गवाह रहे मेलबर्न क्रिकेट मैदान (एमसीजी) पर 30 मार्च को उन्हें सार्वजनिक विदाई दी जाएगी। विक्टोरिया राज्य के प्रधानमंत्री डेनियल एंड्रयूज ने पुष्टि की कि वार्न के सम्मान में एमसीजी पर राजकीय कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।वार्न की पिछले हफ्ते थाईलैंड में

कथित तौर पर दिल का दौरा पड़ने के कारण मौत हो गई थी। वह 52 वर्ष के थे। वार्न के परिवार ने घोषणा की कि इससे पहले वे निजी रूप से अंतिम संस्कार करेंगे।

एंड्रयूज ने ट्वीट किया, ''वार्नी (शेन वार्न) को विदाई देने के लिए एमसीजी से अधिक उचित जगह दुनिया में और कहीं नहीं हो सकती।'' एमसीजी पर ही वार्न ने 1994 में एशेज में हैट्रिक बनाई थी और 2006 में अपनी अंतिम अंतरराष्ट्रीय श्रृंखला के बॉक्सिंग डे टेस्ट के दौरान इसी मैदान पर 700वां टेस्ट विकेट हासिल किया। वार्न का जन्म मेलबर्न में ही हुआ और वह यहीं पले-बढ़े। पोस्टमार्टम के नतीजों से पुष्टि हुई है कि वार्न की मौत प्राकृतिक कारणों से हुई है और किसी तरह के संदेह के कोई संकेत नहीं मिले। शुक्रवार को थाईलैंड के द्वीप कोह समुई में निधन होने के बाद वार्नर के पार्थिव शरीर को रविवार को सूरत थानी ले जाया गया।

बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड ने 30 अप्रैल तक शाकिब को अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से आराम दिया

ढाका। बांग्लादेश के शीर्ष आलराउंडर शाकिब अल हसन को मानसिक तनाव और थकान' के कारण 30 अप्रैल तक क्रिकेट के सभी प्रारूपों से आराम दिया गया है जिसके कारण वह दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आठ अप्रैल तक चलने वाली आगामी श्रृंखला से बाहर हो गए हैं। इंडियन प्रीमियर लीग की किसी फ्रेंचाइजी द्वारा नहीं चुने गए 34 साल के शाकिब को शुरुआत में दक्षिण अफ्रीका दौरे के लिए एकदिवसीय और टेस्ट टीम में शामिल किया गया था। अफगानिस्तान के खिलाफ हाल में बांग्लादेश की श्रृंखला के बाद शाकिब ने कहा था कि उन्हें ऐसा लग रहा है कि वह टीम में 'यात्री' की तरह हैं जिसके बाद बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) ने उन्हें जरूरी ब्रेक देने का फैसला किया। शाकिब ने अफगानिस्तान के खिलाफ तीन एकदिवसीय और दो टी20 अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों में 74 रन बनाए और सात विकेट चटकाए। बीसीबी के क्रिकेट संचालन अध्यक्ष जलाल यूनुस ने संवाददाताओं से कहा, वह मानसिक रूप से तनाव में और थका हुआ था।

मेसी, नेमार और एम्बाप्पे का सपना टूटा, बेंजेमा ने 17 मिनट में हैट्रिक दागकर पीएसजी को किया बाहर

नई दिल्ली। यूईएफए चैंपियंस लीग में रोमांचक मुकाबले में 13 बार की चैंपियन टीम रियाल मैड्रिड ने फ्रांस के क्लब पेरिस सेंट जर्मेन को 3-1 से हरा दिया। पेरिस सेंट जर्मेन (पीएसजी) की टीम ने पहला लेग 1-0 से जीता था। दूसरे लेग में पीसएजी के लिए किलियन एम्बाप्पे ने पहला गोल किया। 2-0 से आगे होने के बाद माना गया कि फ्रांसीसी क्लब आसानी से मैच जीत जाएगी, लेकिन रियाल मैड्रिड के कप्तान करीम बेंजेमा ने 17 मिनट में पासा पलट दिया। लियोनल मेसी, नेमार और एम्बाप्पे जैसे स्टार खिलाड़ियों से सजी पीएसजी की टीम बाहर हो गई।

उन्होंने दूसरे हाफ में दनादन तीन गोल कर रियाल को अविश्वसनीय जीत दिलाई। दूसरे लेग में एम्बाप्पे ने 39वें मिनट में पहला गोल किया। हाफटाइम के बाद रियाल मैड्रिड की टीम ने धमाकेदार

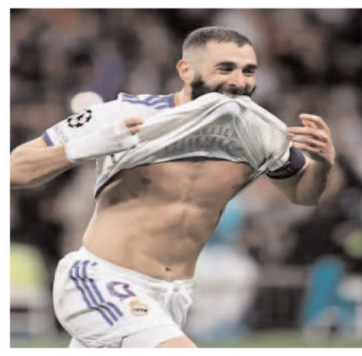

वापसी की और पीएसजी पर लगातार अटैक करने लगी। कप्तान बेंजेमा ने 61वें मिनट में पीएसजी के गोलकीपर जियानलुइगी डोनारुम्मा की गलती का फायदा उठाया और पहला गोल दाग दिया।

106 सेकंड में बेंजेमा ने दागे दो

गोल-पहला गोल होने के बाद रियाल की टीम में नई ऊर्जा आ गई। उसने पीएसजी पर लगातार हमले किए। 76वें मिनट में अनुभवी लुका मौड्रिच के पास पर बेंजेमा ने दूसरा गोल कर पीएसजी को हैरान कर दिया। वे इतने में नहीं रुके। 106 सेकंड के बाद बेंजेमा ने तीसरा गोल कर पीएसजी की उम्मीदों को धवस्त कर दिया। वे चैंपियंस लीग में हैट्रिक गोल करने वाले सबसे उम्रदराज खिलाड़ी बन गए। उन्होंने ओलिवर जिरूड का रिकॉर्ड तोड़ दिया।

रियाल मैड्रिड जिंदा है: बेंजेमा

मैच जीतने के बाद कप्तान बेंजेमान ने कहा, 'चैंपियंस लीग और ला लिगा में हमारे लिए हर मैच फाइनल जैसा है, लेकिन हमने आज दिखाया कि रियाल मैड्रिड की टीम जिंदा है।' पीएसजी की बात करें तो एक बार फिर चैंपियंस लीग में उसे उलटफेर का शिकार होना पड़ा। टूर्नामेंट के इतिहास में कई बार पीएसजी की टीम चैंपियन बनने के दावेदार के रूप में उतरी। उसने अच्छा प्रदर्शन भी किया, लेकिन अहम मैचों में हर बार हार का सामना करना पड़ा है। मेसी, नेमार और एम्बाप्पे के होने से ऐसा माना जा रहा था कि टीम पहली बार खिताब जीत लेगी, लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

मैनचेस्टर सिटी भी क्वार्टर फाइनल

रियाल मैड्रिड के साथ-साथ इंग्लैंड के क्लब मैनचेस्टर सिटी ने भी अपना स्थान क्वार्टरफाइनल में पक्का किया। पुर्तगाल के क्लब स्पोर्टिंग के साथ बुधवार को उसका मैच ड्रॉ हो गया। दूसरे लेग के ड्रॉ होने के बावजूद सिटी की टीम आगे बढ़ गई, क्योंकि उसने पहला लेग 5-0 से अपने नाम किया था। इस तरह कुल 5-0 के स्कोर के साथ सिटी की टीम क्वार्टरफाइनल में पहुंच गई।

पुलेला गोपीचंद के बीएआई महासचिव पद के लिए चुनाव लड़ने की संभावना

नई दिल्ली। भारत के मुख्य राष्ट्रीय कोच पुलेला गोपीचंद के भारतीय बैडमिंटन संघ (बीएआई) के चुनाव में महासचिव पद के लिए चुनौती पेश करने की संभावना है। 25 मार्च को इसके लिए चुनाव होगा। ओलंपिक में गोपीचंद के मार्गदर्शन में साइना नेहवाल ने कांस्य जबकि पीवी सिंधू ने रजत पदक जीता। उनके गुरुवार को नामांकन दायर करने की संभावना है। इस मामले की जानकारी रखने वाले बीएआई के एक सूत्र ने समाचार एजेंसी पीटीआई को बताया, ''गोपीचंद महासचिव पद के लिए चुनौती पेश करेंगे और उनके कल नामांकन दायर करने की उम्मीद है।''

हालांकि बीएआई के संविधान के अनुसार सिर्फ निवर्तमान पदाधिकारी या निवर्तमान कार्यकारी समिति के सदस्य चुनाव में महासचिव पद के लिए चुनौती पेश कर सकते हैं और

गोपीचंद इस पात्रता को पूरा नहीं करते।

उम्मीदवार नौ से 11 मार्च तक नामांकन दायर कर सकते हैं जबकि नामांकन वापस लेने की अंतिम तारीख 17 से 19 मार्च है। निर्वाचन अधिकारी 20 मार्च को उम्मीदवारों की अंतिम सूची तैयार करेगा। गोपीचंद तेलंगाना बैडमिंटन संघ के सचिव और चयन पैनल के सदस्य भी हैं। हिमंता विश्व सरमा को दोबारा अध्यक्ष चुना जाना लगभग तय है जबकि बीएआई के मौजूदा महासचिव अजय सिंघानिया के दूसरे कार्यकाल के लिए चुनौती पेश करने की संभावना नहीं है।

जर्मनी के खिलाफ दो मैचों के लिए भारतीय महिला टीम का एलान, युवा अक्षता और दीपिका को मिला मौका

नई दिल्ली। जर्मनी के खिलाफ दो मैचों के लिए भारत की महिला हॉकी टीम का एलान कर दिया गया है। 12 और 13 मार्च को होने वाले मैचों के लिए 22 सदस्यीय टीम की कमान एक बार फिर सविता पुनिया को दी गई है। इससे पहले स्पेन के खिलाफ मैचों में भी सविता ने भारतीय टीम की कप्तानी की थी। भारत और जर्मनी के बीच एफआईएच हॉकी प्रो लीग के दोनों मैच भुवनेश्वर को ऐतिहासिक कलिंगा स्टेडियम में खेले जाएंगे। भारतीय टीम दुनिया के पांचवें नंबर की टीम जर्मनी के खिलाफ दोनों मैच जीतना चाहेगी।

सविता की अगुवाई वाली टीम की उपकप्तान दीप ग्रेस इक्का को बनाया गया है। वहीं महाराष्ट्र की डिफेंडर अक्षता अबासो धेकाले और हरियाणा की स्ट्राइकर दीपिका टीम में नया चेहरा होंगी। इन दोनों खिलाड़ियों ने हॉकी इंडिया नेशनल चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया था।

कैसी है भारतीय टीम

गोलकीपरः सविता पुनिया, बिचू देवी खरीबाम।

डिफेंडरः दीप ग्रेस इक्का, गुरजीत कौर, निक्की प्रधान, उदिता और अक्षता अबासो।

मिडफील्डरः निशा, सलीमा टेटे, सुशीला चानू, ज्योति, मोनिका, नेहा, नवजोत कौर और सोनिका।

फॉरवर्डः राजविंदर कौर, शर्मिला देवी, नवनीत कौर, लालरेमसियामी, संगीता कुमारी, मारियाना कुजुर, दीपिका जूनियर।

रिजर्वः रजनी, इशिका चौधरी, नमिता टोप्पो।

स्पेन के खिलाफ अच्छे प्रदर्शन से सीख लेगी भारतीय टीम

भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच ने टीम चयन पर बात करते हुए कहा ÷हमारे लिए यह काफी रोमांचक समय है। हम अपने घर में एक अच्छी टीम के खिलाफ लगातार दो मैच खेलेंगे। जर्मनी लगातार

अच्छा प्रदर्शन करने वाली टीम है, जिसकी टेक्निक शायद दुनिया में सबसे बेहतर हैं। वो बहुत अच्छे तरीके से बचाव करते हैं और तेजी से आक्रमण करते हैं। हमनें युवा और अनुभवी खिलाड़ियों के मिश्रण से अच्छी टीम तैयार की है और हम स्पेन के खिलाफ अपने अच्छे प्रदर्शन को आगे बढ़ाना चाहेंगे।÷ स्पेन के खिलाफ भारत ने अच्छा खेल दिखाया था और जर्मनी के खिलाफ अपनी लय बरकरार रखना चाहेगा।

निवेदिता और तमन्ना फाइनल में, रेणु को कांस्य पदक, महिला मुक्केबाजों ने सभी 12 भार वर्गों में पदक पक्के किए

नई दिल्ली। भारतीय महिला मुक्केबाज निवेदिता कार्की (48 किग्रा) और तमन्ना (50 किग्रा) ने एशियाई युवा एवं जूनियर मुक्केबाजी प्रतियोगिता के फाइनल में प्रवेश किया। दोनों खिलाड़ियों ने जोर्डन के अम्मान में चल रही चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं रेणु (52 किग्रा) को सेमीफाइनल में हार के कारण कांस्य पदक से संतोष करना पड़ा। पिछली बार की रजत पदक विजेता निवेदिता और तमन्ना ने अपने सेमीफाइनल मुकाबलों में विपरीत अंदाज में जीत दर्ज की।

निवेदिता को जहां थाईलैंड की रनरारिट ग्रेसी के खिलाफ 4-1 से जीत के लिए संघर्ष करना पड़ा वहीं तमन्ना ने शानदार प्रदर्शन किया और कजाकिस्तान की

अनीता आदिशेवा पर 5-0 से आसान जीत दर्ज की। रेणु युवा वर्ग के एक अन्य सेमीफाइनल में उज्बेकिस्तान की मुनव्वर फोजिलोवा से 0-5 से हार गई। भारतीय महिला मुक्केबाजों ने सभी 12 भार वर्गों में पदक पक्के किए हैं जबकि पुरुषों ने छह पदक पक्के कर लिए हैं। इससे युवा वर्ग में देश के पदकों की संख्या 18 हो गई है। जूनियर वर्ग में भारत ने कुल 21 पदक पक्के किये हैं। इनमें लड़कियों के वर्ग में 12 और लड़कों के वर्ग में नौ पदक शामिल हैं। लड़कियों के जूनियर सेमीफाइनल में पिछली बार की चैंपियन निकिता चंद (60 किग्रा) ने मंगलवार की रात को पहले दौर में जॉर्डन की एसेल महमूद को हराकर फाइनल में प्रवेश किया। सुप्रिया देवी थोकचोम (54 किग्रा), विधि (57 किग्रा), श्रुष्टि साठे (63 किग्रा), रुद्रिका (75 किग्रा) और खुशी पूनिया (80 किग्रा) ने भी अपने सेमीफाइनल मुकाबले जीते। कृष्णा वर्मा (70 किग्रा) अकेली भारतीय थी, जिन्हें मंगलवार को हार का सामना करना पड़ा। उन्हें कांस्य पदक मिला। जूनियर वर्ग में कुल 11 भारतीय लड़कियों ने फाइनल में जगह बनायी है।

श्रीसंत ने घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लिया

नई दिल्ली। भारत की विश्व चैंपियन टीम का हिस्सा रहे तेज गेंदबाज एस श्रीसंत ने घरेलू क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास लेने का फैसला किया जिससे उनके उतार-चढ़ाव भरे करियर का अंत हुआ। श्रीसंत ने भारत की ओर से 27 टेस्ट, 53 एकदिवसीय और 10 टी20 अंतरराष्ट्रीय में क्रमशः 87, 75 और सात विकेट चटकाए।दाएं हाथ का यह 39 वर्षीय तेज गेंदबाज पिछले महीने मेघालय के खिलाफ रणजी ट्रॉफी मुकाबले में केरल की ओर से खेलता दिखा था।

अपनी टीम की पारी और 166 रन की जीत के दौरान श्रीसंत ने दो विकेट चटकाए थे। कई ट्वीट करके संन्यास की घोषणा करते हुए श्रीसंत ने कहा कि उन्होंने अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए अपने 25 साल के करियर का अंत करने का फैसला किया है। केरल में जन्में इस तेज गेंदबाज ने लिखा, ''अपने परिवार, टीम के साथियों और भारत के लोगों और खेल को प्यार करने वाले सभी का प्रतिनिधित्व करना सम्मान की बात रही। काफी दुख लेकिन बिना किसी मलाल के मैं कहा रहा हूं कि मैं भारतीय घरेलू क्रिकेट (प्रथम श्रेणी और सभी प्रारूप) से संन्यास ले रहा हूं। ' उन्होंने कहा, ''अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों के लिए मैंने अपना प्रथम श्रेणी करियर खत्म करने का फैसला किया है। यह मेरा अकेले का फैसला है और हालांकि मुझे पता है कि इससे मुझे खुशी नहीं मिलेगी लेकिन जीवन में इस समय यह सही और सम्मानित फैसला है। मैंने प्रत्येक लम्हे का लुत्फ उठाया।''

लिवरपूल और बायर्न म्यूनिख क्वार्टरफाइनल में, रॉबर्ट लेवानडॉस्की ने 11 मिनट में दागे तीन गोल

लंदन। दुनिया के सबसे बड़े क्लब फुटबॉल टूर्नामेंट चैंपियंस लीग में मंगलवार रात प्री-क्वार्टरफाइनल का दूसरा लेग खेल गया। इसमें लिवरपूल को इंटर मिलान के खिलाफ हार मिली। वहीं, बायर्न म्यूनिख ने एफसी रेड बुल साल्जबर्ग को बुरी तरह रौंद दिया। लिवरपूल दूसरे लेग में 0-1 से हारने के बावजूद क्वार्टरफाइनल में पहुंच गया। दरअसल, उसने पहले लेग में इंटर को 2-0 से हराया था। इस तरह दोनों मुकाबलों को मिलाकर कुल स्कोर 2-1 लिवरपूल के पक्ष में रहा।

जर्मनी के नंबर-एक क्लब बायर्न म्यूनिख की बात करें तो ऑस्ट्रिया के साल्जबर्ग के खिलाफ पहला लेग 1-1 की बराबरी पर छूटा था। मंगलवार को दूसरे लेग में बायर्न की टीम जबरदस्त फॉर्म में दिखी। उसने साल्जबर्ग को टिकने का मौका ही नहीं दिया। बायर्न ने दूसरे लेग में सात गोल दागे। साल्जबर्ग की टीम सिर्फ एक ही गोल कर सकी। इस तरह बायर्न ने मैच को 7-1 से अपने नाम कर लिया। दोनों लेग को मिलाकर कुल स्कोर 8-2 उसके ही पक्ष में रहा।

बायर्न के लिए पोलैंड के स्टार खिलाड़ी रॉबर्ट लेवानडॉस्की हैट्रिक

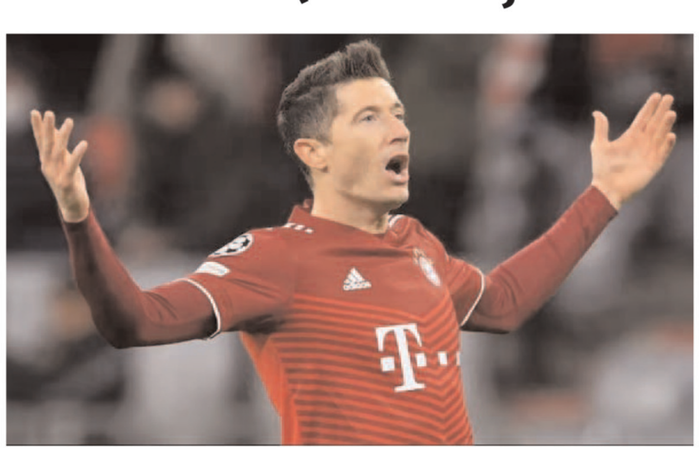

गोल किया। उन्होंने 11 मिनट में ही तीन गोल दाग दिए। लेवानडॉस्की ने पहला गोल 12वें मिनट में पेनल्टी पर किया। इसके बाद 21वें मिनट में दूसरा गोल भी पेनल्टी पर किया। तीसरा गोल उन्होंने 23 मिनट में दाग दिया। लेवानडॉस्की को पिछले साल फीफा का बेस्ट फुटबॉलर चुना गया था। उनके अलावा बायर्न के लिए सर्ज ग्नेब्री ने 31वें, थॉमस मूलर ने 54वें और 83वें, लॉरी साने ने 85वें मिनट में गोल किया।

लिवरपूल और इंटर के बीच खेला गया मैच काफी रोमांचक था। इंटर ने लिवरपूल के घरेलू मैदान पर एनफील्ड पर शानदार खेल दिखाया। उसके लिए पहला गोल अर्जेंटीना के लॉटेरो मार्टिनेज ने किया। हालांकि, दो मिनट बाद ही उनके साथी स्ट्राइकर एलेक्सिस सांचेज को रेड कार्ड दिखा दिया गया। उन्हें मैच से बाहर होना पड़ा। इसके बाद इंटर मिलान की टीम को 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। टीम को बराबरी करने के लिए कम से कम एक गोल करने थे, लेकिन लिवरपूल ने ऐसा नहीं होने दिया। चैंपियंस लीग में आज (बुधवार) को दो प्री-क्वार्टरफाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। स्पेन के मैड्रिड में रियाल मैड्रिड की टीम फ्रांस की टीम पेरिस सेंट जर्मेन की मेजबानी करेंगे। दुनिया के सर्वश्रेष्ठ फुटबॉलर माने जाने वाले अर्जेंटीना के लियोनल मेसी मैदान पर दिखेंगे। वे पीसएजी की टीम को किसी भी हाल में क्वार्टरफाइनल में पहुंचाना चाहेंगे। बार्सिलोना की ओर से खेलते हुए उन्होंने रियाल मैड्रिड के होमग्राउंड पर कई बार यादगार प्रदर्शन किया है। अब पहली बार पीएसजी की ओर से वहां खेलेंगे। वहीं, एक अन्य मुकाबले में इंग्लैंड के क्लब मैनचेस्टर सिटी का मुकाबला पुर्तगाल के क्लब स्पोर्टिंग से होगा।

राहुल चाहर ने गर्लफ्रेंड ईशानी जौहर के साथ लिए सात फेरे, गोवा में धूमधाम से हुई शादी, आगरा में होगा रिसेप्शन

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर राहुल चाहर अपनी मंगेतर ईशानी जौहर के साथ शादी के बंधन में बंध गए हैं। लेग स्पिनर ने गोवा में आज यानी बुधवार को डेस्टिनेशन वेडिंग के साथ नई पारी की शुरूआत की है। उनकी पत्नी ईशानी पेशे से फैशन डिजाइनर हैं। आगरा के रहने वाले राहुल चाहर ने दिसंबर 2019 में जयपुर में बेंगलुरु की ईशानी जौहर के साथ सगाई की थी। दोनों लंबे समय से एक दूसरे को डेट कर रहे थे।

राहुल की शादी के मौके पर उनका परिवार भी साथ रहा। उनके भाई और भारतीय क्रिकेटर दीपक चाहर अपनी मंगेतर और बहन मालती चाहर के साथ मौजूद रहे। गोवा के होटल डब्ल्यू में राहुल-ईशानी की शादी की रस्में हुईं। मंगलवार को मेहंदी की रस्म के बाद राहुल चाहर ने ईशानी के साथ अपनी तस्वीरें फेसबुक पर साझी की थी। पहला दिन मेहंदी के रंगों से भरा रहा। शादी का रिसेप्शन 12 मार्च को ताजनगरी आगरा में होगा।

आईपीएल में मिली मोटी रकम-राहुल भारत के लिए वनडे और टी-20 मैच खेल चुके हैं। वह अब तक मुंबई इंडियंस के लिए खेलते थे, लेकिन इस बार पंजाब किंग्स ने उन्हें अपनी टीम

में शामिल किया है। आईपीएल मेगा ऑक्शन 2022 में राहुल को 5.25 करोड़ की मोटी कीमत मिली है। आईपीएल में पहली बार वे मुंबई के अलावा किसी और टीम के लिए खेलेंगे। 2018 से लेकर 2021 तक राहुल मुंबई की टीम का हिस्सा रहे हैं।

भारत के लिए कर चुके हैं डेब्यू-राहुल ने भारत के लिए एक वनडे और पांच टी-20 मैच खेले हैं। एक वनडे मैच में उनके नाम तीन विकेट हैं, जबकि पांच टी-20 मैच में उन्होंने सात विकेट लिए हैं।

जडेजा दुनिया के नंबर एक ऑलराउंडर बने, अश्विन तीसरे स्थान पर, विराट को दो पायदान का फायदा

दुबई। आईसीसी की ताजा रैंकिंग में भारत के रवींद्र जडेजा टेस्ट के नंबर एक ऑलराउंडर बन गए हैं। उन्होंने वेस्टइंडीज के जेसन होल्डर को पीछे छोड़ा है। वहीं रविचंद्रन अश्विन तीसरे स्थान पर पहुंच गए हैं। जडेजा ने श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट सीरीज के पहले मैच में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने इस मैच में नाबाद 175 रन बनाए थे। इसके बाद नौ विकेट भी अपने नाम किए थे। इसी का फायदा उन्हें आईसीसी रैंकिंग में भी मिला है। अश्विन ने भी इस मैच में कमाल किया है, लेकिन जडेजा को फायदा मिलने के कारण अश्विन दूसरे से तीसरे पायदान पर आ गए हैं। ऑलराउंडर रैंकिंग में पहले पायदान पर काबिज जडेजा के पास 406 अंक हैं। होल्डर के पास 382 और अश्विन के पास 347 अंक हैं। बांग्लादेश के शाकिब अल हसन चौथे और इंग्लैंड के बेन स्टोक्स पांचवें पायदान पर हैं। ऑस्ट्रेलिया के मिशेल स्टार्क को नुकसान हुआ है और वो छठें पायदान पर आ चुके हैं।

बल्लेबाजों की रैंकिंग में विराट कोहली और ऋषभ पंत को फायदा हुआ है। कोहली पांचवें स्थान पर पहुंच गए हैं और पंत ने भी टॉप 10 में जगह बना ली है। वो 10वें स्थान पर हैं। कप्तान रोहित शर्मा को एक पायदान का नुकसान हुआ है और वो छठें स्थान पर

पहुंच गए हैं। ऑस्ट्रेलिया के मार्नस लाबुशेन 936 अंक के साथ पहले और इंग्लैंड के जो रूट 872 अंक के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हैं। स्टीव स्मिथ तीसरे और केन विलियमसन चौथे स्थान पर हैं।

विदेश संदेश

रूसी तेल आयात पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक पारित, अमेरिका में बढ़ेगी गैस की कीमत

वाशिंगटन। रूस से होने वाले तेल के आयात पर प्रतिबंध लगाने वाला विधेयक अमेरिकी प्रतिनिधि सभा रात को पारित कर दिया। यूक्रेन पर रूस के हमले की प्रतिक्रिया में राष्ट्रपति जो बाइडन द्वारा जिन पाबंदियों की घोषणा की गई थी, उन्हें कानून में बदलने का रास्ता साफ हो गया है। रूस से तेल के आयात पर प्रतिबंध के अलावा इस विधेयक में विश्व व्यापार संगठन में रूस के दर्जे की समीक्षा करने की बात भी शामिल है।इस विधेयक के पक्ष में 414 मत पड़े जबकि विरोध में 17 मत पड़े। अब इसे मंजूरी के लिए सीनेट में भेजा जाएगा।

तेल आयात पर पाबंदी लगाने के साथ अमेरिका में गैस की कीमत बढ़ने का जोखिम भी जुड़ा हुआ है। कुछ दिन पहले तक, बाइडन प्रशासन वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति में कमी होने की चिंताओं और गैस की कीमतें बढ़ने की आशंका के मद्देनजर रूस से होने वाले तेल आयात पर पाबंदी लगाने का इच्छुक नहीं था।

रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच ट्वीटर ने लिया एक्शन, सेंसरशिप से बचने के लिए शुरू की यह सेवा

वाशिंगटन। माइक्रोब्लॉगिंग साइट ट्विटर ने रूस में उसकी सेवाओं पर प्रतिबंध लगाए जाने के बाद निगरानी और सेंसरशिप से बचने के लिए अपनी साइट का निजता-सरंक्षित संस्करण शुरू किया है। रूस ने यूक्रेन में युद्ध को लेकर सूचना के प्रवाह को रोकने की कोशिश करते हुए फेसबुक तक पहुंच को बाधित और ट्विटर तक पहुंच को सीमित कर दिया है।दोनों कंपनियों ने कहा कि वे रूस में लोगों तक पहुंच बनाने पर काम कर रही हैं। उपयोगकर्ता टोर ब्राउजर डाउनलोड करके ''अनियन'' नामक ट्विटर के इस संस्करण तक पहुंच बना सकते हैं। यह ब्राउजर लोगों को उन साइट तक ले जाता है जिन्हें ''डार्क वेब'' कहा जाता है। अनियन साइट्स में डॉटकॉम के बजाय डॉटअनियन सफिक्स होता है। हालांकि, ''डार्क वेब'' अवैध वेबसाइट्स का संकेत देता है लेकिन लोग अपनी सुरक्षा के लिए गोपनीय रहने के वास्ते अक्सर इसका इस्तेमाल करते हैं।

डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहे एक विमान का इंजन हुआ खराब, कराई गई आपात लैंडिंग

न्यू ओर्लियंस। अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को ले जा रहे एक विमान का इंजन बीते सप्ताहांत मैक्सिको की खाड़ी के ऊपर खराब हो गया। इसके चलते विमान को न्यू ओर्लियांस में आपात लैंडिंग के लिए मजबूर होना पड़ा। ट्रंप के विमान की आपात लैंडिंग की खबर सबसे पहले 'द पॉलिटिको' ने दी थी। बुधवार को घटना से वाकिफ एक अधिकारी ने नाम न जाहिर करने की शर्त पर इसकी पुष्टि की। अधिकारी के मुताबिक, इंजन खराब होने की यह घटना शनिवार रात 11 बजे से कुछ देर पहले तब हुई, जब ट्रंप न्यू ओर्लियंस में रिपब्लिकन पार्टी की राष्ट्रीय समिति के चंदा कार्यक्रम में शिरकत करने के बाद एक दानदाता के निजी विमान से फ्लोरिडा इस्टेट स्थित अपने मार-ए-लागो आवास लौट रहे थे।अधिकारी ने बताया कि ट्रंप के विमान का एक इंजन न्यू ओर्लियांस लेकफ्रंट हवाईअड्डे से लगभग 120 किलोमीटर की दूरी तय करने के बाद खराब हुआ। अधिकारी के अनुसार, ट्रंप विमान में अपने सलाहकारों, खुफिया सेवा कर्मचारी और सहयोगी स्टाफ के साथ सफर कर रहे थे। पूर्व राष्ट्रपति के एक प्रवक्ता ने उनके विमान की आपात लैंडिंग की बात स्वीकारी। हालांकि, उसने कोई और जानकारी देने से इनकार कर दिया। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, ट्रंप न्यू ओर्लियंस के फोर सीजन्स होटल में रिपब्लिकन पार्टी के शीर्ष दानदाताओं से संवाद करने के लिए पहुंचे थे। रिपोर्ट में बताया गया है कि आपात लैंडिंग के बाद ट्रंप की टीम ने एक और दानदाता से विमान का इंतजाम किया, जिसके बाद पूर्व राष्ट्रपति रविवार सुबह मार-ए-लागो पहुंच गए। रिपोर्ट के अनुसार, घटना में किसी के हताहत होने की कोई सूचना नहीं है।

अब रासायनिक व जैविक हथियारों के इस्तेमाल की आशंका, अमेरिका-रूस आमने-सामने

वाशिंगटन/मास्को। रूस-यूक्रेन जंग में रूस द्वारा यूक्रेन पर रासायनिक या जैविक हथियारों से हमले की आशंका जताने पर अमेरिका व रूस में तकरार हो गई है। रूस ने ऐसी किसी योजना से साफ इनकार किया है, वहीं अमेरिका ने बाकायदा बयान जारी किया है। बयान में कहा गया है कि रूस यूक्रेन पर जैविक या रासायनिक हथियार से हमले की तैयारी कर रहा है। इस पर नजर रखनी चाहिए।

व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी ने दावा किया है कि रासायनिक व जैविक हमले की आशंका को लेकर हमारे पास

चिंतित होने की अहम वजह है। संभव है रूस गलत कारण को आधार बनाकर रासायनिक हमला कर दे, वह पहले भी ऐसा करता आया है। साकी ने ट्वीट किया, 'हमें यूक्रेन में कथित अमेरिकी जैविक हथियार लैब और रासायनिक हथियारों के विकास के बारे में रूस के झूठे दावों पर ध्यान देना चाहिए। हमने चीन के अधिकारियों को भी देखा है कि वह इस तरह के दावों का समर्थन कर रहे हैं, जो एक सुनियोजित साजिश है।

रूस ने अमेरिका पर लगाया इल्जाम

उधर, रूस ने भी दावा किया है कि उसने यूक्रेन में ऐसे जैविक हथियारों को खोज निकाला है जो अमेरिका के नेतृत्व में यहां रखे गए हैं। इन जैविक हथियारों का मकसद सैन्य इस्तेमाल है।

अमेरिका के पास नहीं है ऐसे हथियार

रूस के आरोप पर अमेरिकी प्रेस सचिव साकी ने कहा कि उनका देश रासायनिक व जैविक हथियार निषेध संधि का पूरी तरह पालन करता है। अमेरिका ऐसे हथियार न तो तैयार करता है और नहीं अपने पास रखता है।

नरम पड़े रूस के तेवर, जेलेंस्की भी रजामंद

उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने नाटो में शामिल होने की जिद छोड़ने का संकेत दिया है। इसके बाद रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने भी नरमी दिखाई है।

रूसी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता मारिया जाखारोवा ने कहा है कि हमारा मकसद यूक्रेन की सरकार को गिराना नहीं, बल्कि उसे तटस्थ बनाना है। यूक्रेन से अगले दौर की वार्ता में और अधिक महत्वपूर्ण प्रगति की उम्मीद है।

रूस से युद्ध : पूर्व मिस यूक्रेन बोलीं- अतिरिक्त हथियार मिलें, पोलैंड लड़ाकू विमान देने के लिए राजी, अमेरिका ने जताई चिंता

लॉस एंजिलिसे। पोलैंड ने यूक्रेन सेना की मदद के लिए अमेरिका को अपने सभी एमआईजी-29 लड़ाकू विमान देने का प्रस्ताव दिया है। इस संबंध में अमेरिकी रक्षा मंत्रालय ने कहा कि यह प्रस्ताव नाटो के लिए गंभीर चिंताएं पैदा करता है और यह योजना तर्कसंगत नहीं है। जबकि पोलैंड ने अमेरिका को अपने सभी एमआईजी-29 लड़ाकू विमान देने को कहा ताकि इन्हें यूक्रेन तक पहुंचाने की व्यवस्था हो सके।

इससे पहले कीव में हुए हमले के बाद अपने बेटे के साथ पलायन कर चुकीं पूर्व मिस यूक्रेन वेरोनिका दिदुसेंको ने दुनियाभर के देशों से यूक्रेन को अतिरिक्त हथियार देने की अपील की थी। उन्होंने कहा कि यूक्रेनवासी अपने देश की रक्षा करने के लिए प्रतिबद्ध हैं, लेकिन उन्हें अतिरिक्त हथियारों और अन्य सैन्य साजो-सामान की जरूरत है।

अमेरिकी रक्षा मंत्रालय (पेंटागन) के प्रवक्ता जॉन किर्बी ने कहा, यूक्रेन युद्ध में रूस के खिलाफ हवाई क्षेत्र में उड़ान भरने के लिए जर्मनी स्थित अमेरिका/नाटो सैन्य अड्डे से

विमानों के रवाना होने संबंधी संभावना चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि अमेरिका इस मामले पर पोलैंड से बात करना जारी रखेगा। इस बीच, पोलैंड ने कहा कि वह अपने एमआईजी-29 लड़ाकू विमान अमेरिका को देगा ताकि ऐसी व्यवस्था हो सके, कि ये विमान यूक्रेन की सेना तक पहुंचाए जा सकें।

पश्चिमी देश युद्धक विमान मुहैया कराने की यूक्रेन की अपील का जवाब देने के संभावित तरीकों पर चर्चा कर रहे हैं। ऐसे निर्णय से यूक्रेन का मनोबल बढ़ेगा। हालांकि अमेरिका को विमान मुहैया कराने से युद्ध के और भीषण होने का खतरा भी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय की अवर सचिव विक्टोरिया नुलैंड ने विमान पहुंचाने के संबंध में उन्होंने हमसे पहले चर्चा नहीं की। रूसी हमले नाकाम करने के लिए अमेरिका पोलैंड में 2 पेट्रियट मिसाइलें तैनात करेगा। यूएस-यूरोपियन कमांड के एक प्रवक्ता ने सीएनएन से कहा कि हम पोलैंड को दो पेट्रियट मिसाइल बैटरी भेज रहे हैं ताकि रूस के यूक्रेन पर चल रहे आक्रमण के दौरान अमेरिका और नाटो सहयोगियों के लिए किसी भी संभावित खतरे का मुकाबला किया जा सके।

रूसी हमले से पलायन करने वाले शरणार्थियों को पोलैंड में पनाह देने की मुहिम का शुक्रिया अदा करने अमेरिकी उपराष्ट्रपति कमला हैरिस वारसॉ दौरे पर हैं। लेकिन वाशिंगटन छोड़ने से पहले ही पोलैंड के लड़ाकू जेट प्रस्ताव ने अप्रत्याशित मोड़ ले लिया। अमेरिकी विदेश मंत्रालय को इस प्रस्ताव के बाद युद्ध और अधिक भड़कने की आशंका है और ऐसे में हैरिस का दो दिनी पोलैंड व रोमानिया दौरा विवाद में पड़ने की आशंका है। हैरिस की यात्रा हालात को संभालने के मकसद से हो रही है लेकिन लड़ाकू जेट से पैदा होने वाले हालात माहौल में गड़बड़ी पैदा कर सकते हैं।

इंडोनेशिया : माउंट मेरापी ज्वालामुखी फटा, आसपास बिछ गई राख की चादर

जकार्ता। इंडोनेशिया के माउंट मेरापी ज्वालामुखी में रातभर विस्फोट हुए। इसके चलते बने गर्म बादलों से हिमस्खलन हुआ। आसपास के गांवों व कस्बों में राख की चादर बिछ गई है।

समाचार एजेंसी ने खबर दी है कि करीब 250 निवासियों को भागने के लिए मजबूर होना पड़ा। अभी किसी के हताहत होने की सूचना नहीं

है। माउंट मेरापी इंडोनेशिया का सबसे सक्रिय ज्वालामुखी माना जाता है। 2,968 मीटर ऊंचा यह ज्वालामुखी प्राचीन शहर योग्याकार्टा के निकट घनी आबादी वाले जावा द्वीप पर है। इसमें 1548 के बाद से लगातार विस्फोट हो रहा है। यह दक्षिणी जावा में ज्वालामुखियों का सबसे छोटा समूह है जो इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट और सुंडा प्लेट के एक उप-क्षेत्र जोन में स्थित है।

चीन के साथ युद्ध विनाश ही लेकर आएगा, ताइवानी मंत्री ने दिया बड़ा बयान

ताइपे। ताइवान के रक्षा मंत्री ने कहा कि यदि चीन के साथ कोई संघर्ष होता है, तो यह सभी पक्षों के लिए विनाशकारी होगा, भले ही परिणाम कुछ भी हो। यूक्रेन पर हमला करने के मामले में चीन ने रूस का मुख्य रूप से समर्थन किया है। चीन स्वशासित द्वीप ताइवान को अपना अधिकार क्षेत्र मानता है और यूक्रेन पर रूसी आक्रमण के बाद से यह आशंका पैदा हो गई है कि चीन भी ताइवान पर जरूरत पड़ने पर बल प्रयोग करके कब्जा कर सकता है। ताइवान के रक्षा मंत्री चिउ कुओ चेंग ने संवाददाताओं से कहा, ''किसी को युद्ध नहीं चाहिए। इस पर समग्र विचार किया जाना चाहिए।''

चिउ ने कहा, ''यदि आप वास्तव में युद्ध चाहते हैं, तो यह सभी के लिए विनाशकारी होगा।'' चीन की नेशनल पीपल्स कांग्रेस (एनपीसी) और उसके सलाहकार निकाय की इस सप्ताह बीजिंग में हुई वार्षिक बैठक के दौरान प्रतिनिधियों ने ताइवान में विदेशी प्रभाव एवं अलगाववाद को दोषी ठहराया और ताइवान के समर्थन का मुकाबला करने के लिए चीन की कानूनी और वित्तीय शक्ति को बढ़ाया। पीपल्स लिबरेशन आर्मी के प्रवक्ता कर्नल वु कियान ने एनपीसी में कहा, ''अलगाववादी गतिविधियां और बाह्य बलों के साथ गठजोड़ ताइवान जलडमरू मध्य में मौजूदा तनाव और अशांति का मूल कारण है।

सेवा इंटरनेशनल ने यूक्रेन से 467 अफ्रीकी छात्रों को बाहर निकाला, नाइजीरिया के मंत्री ने ट्वीट कर दिया धन्यवाद

ह्यूस्टन। भारतीय अमेरिकी गैर लाभकारी संस्था 'सेवा इंटरनेशनल' ने रूसी सैन्य हमले के बीच यूक्रेन के सूमी से 367 नाइजीरियाई नागरिकों समेत 467 अफ्रीकी छात्रों को बाहर निकाला है। संगठन ने एक बयान में बताया कि यूक्रेन में नाइजीरिया के राजदूत शिना अलेगे के अनुरोध पर 'सेवा' के स्वयंसेवकों ने निकासी प्रयासों को समन्वित किया।

नाइजीरिया के विदेश मामलों के मंत्री जियोफ्री ओनयेमा ने ट्वीट करके 'सेवा इंटरनेशनल यूरोप' को धन्यवाद दिया। उन्होंने बस मुहैया कराने के लिए यूक्रेन सरकार का भी शुक्रिया अदा किया। उन्होंने एक अन्य ट्वीट में राजदूत अलेगे के ''दृढ़ संकल्प'' के लिए उन्हें धन्यवाद दिया।

संगठन ने कहा कि 'सेवा यूरोप' यूक्रेन में युद्ध के कारण फंसे लोगों को बाहर निकालने के प्रयास कर रहा है और उसने नाइजीरिया के 367 तथा नामीबिया, जाम्बिया एवं दक्षिण अफ्रीका से 100 अन्य छात्रों सहित कुल 467 अफ्रीकी छात्रों को सूमी से निकाला। छात्रों को सूमी से रोमानिया की सीमा तक लाया गया, जहां से उनके अपने-अपने देशों के लिये उड़ान भरने की उम्मीद है। यूरोप में 'सेवा इंटरनेशनल' के स्वयंसेवकों ने युद्ध शुरू होने के बाद से करीब 1,200 व्यक्तियों की मदद की है। यूक्रेन में 100 से अधिक 'सेवा' स्वयंसेवक काम कर रहे हैं और सीमा के पास 50 स्वयंसेवक लोगों को सीमा पार करने में सहायता कर रहे हैं। 'सेवा इंटरनेशनल' अब तक 12 देशों के फंसे लोगों की मदद कर चुका है। इस कार्य में 'सेवा इंटरनेशनल' को अंतरराष्ट्रीय कृष्णभावनामृत संघ (इस्कॉन) और स्वामीनारायण संस्था (बीएपीएस) जैसे कई धार्मिक संगठनों और पोलैंड एवं रोमानिया जैसे सीमावर्ती देशों के नागरिकों से सहयोग मिल रहा है।

खत्म हो गई कोरोना महामारी, यह सोचना गंभीर भूल : गुतेरस

संयुक्त राष्ट । संयुक्त राष्ट्र महासचिव एंतोनियो गुतेरस नेचेतावनी दी कि कोविड खत्म हो गया, यह सोचना गंभीर भूल होगी। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि दुनिया में अभी भी तीन अरब लोग कोविड वैक्सीन की पहली डोज लगवाने के इंतजार में हैं। गुतेरस ने महामारी के दो साल पूरे होने पर दुनिया को दिए गए अपने संदेश में सचेत किया। उन्होंने कहा कि महामारी फैलने के बाद से पिछले दो वर्ष में कोविड के 44.6 करोड़ से अधिक मामले सामने आए हैं, 60 लाख से अधिक लोगों ने जान गंवाई है और असंख्य लोग बिगड़ते मानसिक स्वास्थ्य से जूझ रहे हैं।संयुक्त राष्ट्र प्रमुख ने कोविड टीकों के अनपयुक्त असमान वितरण को लेकर चिंता प्रकट की। उधर, विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) ने बुधवार को कहा कि पिछले हफ्ते में कोविड के मामलों और उससे होने वाली मौतों में कमी आई है। संगठन ने कहा कि सिर्फ पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में कोविड के मामलों में वृद्धि हो रही है।बता दें कि दुनिया भर में 60 लाख से अधिक जिंदगी ले चुकी कोविड-19 महामारी के प्रसार के दो वर्ष पूरे हो चुके हैं। गुतेरस ने कहा कि दो साल पहले दुनिया भर में लोगों का जीवन का रंग ढंग बदलने वाला कोविड दुनिया के कोने-कोने में तेजी से फैल गया। अर्थव्यवस्था रूक गई, परिवहन नेटवर्क और आपूर्ति श्रृंखला ठप हो गई, विद्यालय बंद हो गए, लोग अपने प्रियजनों से दूर हो गए और लाखों लोग गरीबी की विभीषिका में फंस गए।

अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशनः नई तकनीक से बदलेगा 'क्वांटम संचार' का तरीका, सफल हुई तो मिलेगी धरती पर गुरुत्वाकर्षण बल की पल-पल की जानकारी

वाशिंगटन। अंतरराष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर इस साल के अंत तक एक ऐसे यंत्र का प्रयोग किया जाएगा, जिससे भविष्य में वैश्विक स्तर पर क्वांटम संचार नेटवर्क फैलाने में मदद मिलेगी।

इस तकनीक को 'स्पेस इन्टैंगलमेंट एंड एनीलिंग क्वांटम एक्सपेरीमेंट' का नाम दिया गया है। यह दूध के एक कार्टन के आकार का यंत्र है, जो अंतरिक्ष की विपरीत परिस्थितियों में संचार की दो नई तकनीकों का प्रयोग करेगा। वैज्ञानिकों के मुताबिक, क्वांटम कंप्यूटर साधारण कंप्यूटर के बदले करोड़ों गुना ज्यादा तेज गति से डेटा का आदान-प्रदान या ऑपरेशन पूरा कर सकते हैं। अगर पूरी धरती पर क्वांटम सेंसर लगा दिए जाए तो भविष्य में हमें धरती की गुरुत्वाकर्षण बल में प्रत्येक मिनट में होने वाले बदलावों की जानकारी मिल सकती है। लेकिन क्वांटम कंप्यूटर या सेंसर्स को आपस में बातचीत करने के लिए एक तय संचार नेटवर्क की जरूरत होगी।

साल 2022 में इसी संचार नेटवर्क की शुरुआती जांच अंतरिक्ष में की जाएगी। क्वांटम संचार प्रणाली के नोड्स यानी सेक्यू को अंतरिक्ष स्टेशन पर लगाया जाएगा। यह क्वांटम डेटा

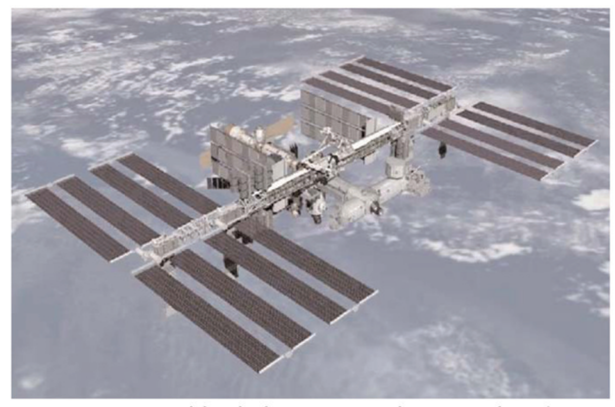

रिसीव या ट्रांजिट करेंगे। ये डेटा बिना किसी ऑप्टिकल यंत्रों के जरिए सीधे धरती पर आएगा। यदि यह प्रयोग सफल होता है तो भविष्य में अंतरिक्ष में चारों तरफ इस तरह के क्वांटम नोड्स तैनात कर दिए जाएंगे।

बिना किसी रुकावट के भेजा जा सकेगा डेटा

क्वांटम नोड्स के जरिये अत्यधिक दूरी तक डेटा बिना किसी रुकावट के तेजी से भेजा जा सकेगा। क्योंकि डेटा फोटोन्स के जरिए ट्रांसमिट होगा। इससे भविष्य में क्वांटम क्लाउड कंप्यूटिंग को बढ़ावा मिलेगा। यानी क्वांटम कंप्यूटर कहीं भी हो, इसका डेटा क्लाउड में सुरक्षित रहेगा। सेक्यू को स्पेस स्टेशन के बाहर लगाया जाएगा।

रेडिएशन से हुए नुकसान को स्वयं ठीक कर लेगा यंत्र

सेक्यू सेल्फ हीलिंग करने का मास्टर है। यानी अगर सूरज के विकिरण (रेडिएशन) की वजह से किसी तरह का नुकसान होता है तो यह यंत्र उसे खुद ही ठीक कर लेगा। ताकि अंतरिक्ष के विपरीत परिस्थितियों में भी यंत्र कायदे से काम करता रहे।

भविष्य में संचार की तकनीक को बढ़ावा

नासा के जेपीएल में सेक्यू के को-इन्वेस्टिगेटर माकन मोहागेग ने कहा कि अगर यह दोनों तकनीक सफल हो जाती हैं, तो भविष्य में क्वांटम संचार की तकनीक को बढ़ावा मिलेगा। यह प्रोजेक्ट ग्लोबल लेवल पर काम करेगा। इसमें अमेरिका, कनाडा, सिंगापुर समेत कई अन्य देश भी शामिल हैं।

अखंड भारत संदेश
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक
211019 से प्रकाशित
स्वामी श्री योगी सत्यम एवम् योग सत्संग समिति द्वारा विपिन इण्टरप्राइजेज 1/6C माधव कुंज कटरा प्रयागराज से मुद्रित एवम् क्रियायोग आश्रम अनुसंधान संस्थान झूंसी, प्रयागराज उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
Title UPHIN 29506

कोलंबो सुरक्षा सम्मेलनः हिंद महासागर क्षेत्र में सुरक्षा चुनौतियों पर चर्चा, मालदीव पहुंचे एनएसए डोभाल

कोलंबो। राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल ने हिंद महासागर क्षेत्र में समुद्री पड़ोसियों के बीच साझा सुरक्षा चुनौतियों के समाधान के लिए सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया। दिन में पहले मालदीव पहुंचे डोभाल ने यहां 5वीं एनएसए-स्तरीय कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन (सीएससी) बैठक को संबोधित करते हुए यह टिप्पणी की। मालदीव में भारतीय उच्चायोग ने एक ट्वीट में कहा, ''एनएसए अजीत डोभाल ने अपने बयान में साझा सुरक्षा चुनौतियों से निपटने के लिए समुद्री पड़ोसियों के बीच सहयोग को मजबूत करने का आह्वान किया है।''दो दिवसीय सम्मेलन में भारत, श्रीलंका, मालदीव, मॉरिशस, बांग्लादेश और सेशेल्स के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं। सम्मेलन में मालदीव की रक्षा मंत्री मारिया दीदी ने मालदीव के सामने उत्पन्न मादक पदार्थ तस्करी, मानव तस्करी, समुद्री डकैती, मत्स्य पालन, आतंकवाद रोधी और हिंसक अतिवाद जैसी क्षेत्रीय सुरक्षा चुनौतियों पर प्रकाश डाला। मारिया ने सम्मेलन में मॉरिशस की सदस्यता का भी स्वागत किया जिससे इसमें सदस्य देशों की संख्या बढ़कर 4 हो गई है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि पर्यवेक्षक सदस्य जल्द ही सम्मेलन में शामिल होंगे।कोलंबो सुरक्षा सम्मेलन की स्थापना भारत, श्रीलंका और मालदीव के बीच

सुरक्षा सहयोग के चार स्तंभों के साथ एक त्रिपक्षीय सुरक्षा ढांचे के रूप में की गई थी, जिसमें समुद्री सुरक्षा, मानव तस्करी, आतंकवाद का मुकाबला और साइबर सुरक्षा शामिल है। पिछले साल नवंबर में भारत, मालदीव और श्रीलंका ने हिंद महासागर क्षेत्र में दो दिवसीय समुद्री अभियान संचालित किया था जिसका उद्देश्य इसे सुरक्षित रखना था। इसमें इस क्षेत्र को अंतरराष्ट्रीय व्यापार के लिए सुरक्षित करना भी शामिल था। तीनों देशों की नौसेनाओं के जहाजों और विमानों ने पहले कोलंबो सिक्योरिटी कॉन्क्लेव (सीएससी) फोकस्ड ऑपरेशन में हिस्सा लिया था।

अधिकारियों के अनुसार, सीएससी फोकस्ड ऑपरेशन का उद्देश्य हिंद महासागर के महत्वपूर्ण हिस्से को वाणिज्यिक शिपिंग, अंतरराष्ट्रीय व्यापार और वैध समुद्री गतिविधियों के संचालन के लिए सुरक्षित रखना था।